दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

विवरणिका

2024-25

(NAAC ACCREDITED B+)

नेताजी नगर, न्यू दिल्ली, 110023

URL: http://dcac.du.ac.in

E-mail: principaldcac@gmail.com

Contact: 011-24109821 Fax: 011-26882923

DELHI COLLEGE OF ARTS & COMMERCE
(UNIVERSITY OF DELHI)
NETAJI NAGAR
NEW DELHI-110023

ADMINISTRATIVE BLOCK

दिल्ली कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स
DELHI COLLEGE OF ARTS & COMMERCE
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(University of Delhi)

विषय – सूची

01	प्राचार्य का स्वागत संदेश	1
02	कॉलेज की रूपरेखा (प्रोफाइल)	2
03	दाखिला/प्रवेश प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची शुल्क संरचना दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार आरक्षण और छूट अतिरिक्त सीटें प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची ऐड-ऑन पाठ्यक्रम	4
04	विभाग	16
05	कॉलेज की समितियाँ	36
06	छात्रों की सोसायटी/उपलब्धियाँ	37
07	सांस्कृतिक सोसायटियाँ	48
08	कॉलेज की गतिविधियाँ और सुविधाएँ	53
09	विश्वविद्यालय के अध्यादेश	57
10	कॉलेज के नियम और कानून	62
11	प्रशासनिक कर्मचारी -वर्ग	66

अस्वीकरण- प्रवेश के संबंध में नवीनतम जानकारी के लिए छात्रों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाने की सलाह दी जाती है। किसी भी विसंगति के मामले में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई जानकारी को अंतिम माना जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को ऑनलाइन पंजीकरण करना आवश्यक है।

प्राचार्य का स्वागत संदेश

विद्यार्थियों को नमस्कार!

मैं आप सभी का दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स की ओर से हार्दिक स्वागत करता हूं। डीसीएसी दिल्ली विश्वविद्यालय एक सहशैक्षणिक महाविद्यालय है। 1987 में स्थापित, डीसीएसी ने शिक्षण के एक ऐसे केंद्र के रूप में विशिष्टता हासिल की है जहां उत्कृष्टता को आगे बढ़ाया और बढ़ावा दिया जाता है।

डीसीएसी 2500 से अधिक छात्रों की सीखने की जरूरतों को पूरा करता है और यह दिल्ली विश्वविद्यालय में सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले कॉलेजों में से एक के रूप में उभरा है। हमारा महाविद्यालय समानता, न्याय, सद्भाव और शांति के मूल्यों को कायम रखता है और अपने छात्रों से उम्मीद करता है कि वे भी इन मूल्यों को संजोएं और आत्मसात करें। महाविद्यालय के अत्यधिक प्रतिभाशाली शिक्षक सदस्य सदैव युवा मनों को आकार देने में सक्रिय हैं और ज्ञान की सीमाएं आगे बढ़ाने के लिए समर्पित हैं। गैर-शिक्षक कर्मचारी सदस्य सीखने और अनुसंधान के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने में समर्थ हैं।

समग्र शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, डीसीएसी महाविद्यालय में हमारे छात्रों में शिक्षा के प्रति प्रेम बढ़ाने का प्रयास किया जाता है , ताकि वे जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बन सकें। इसलिए, हम आपसे उम्मीद करते हैं कि आप विभिन्न समितियों और प्रकोष्ठों की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। कॉलेज का लक्ष्य आप सभी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा खोले गए नए क्षितिजों से अवगत कराना और एक जीवंत स्थान प्रदान करना है जो आपको पेशेवर दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करेगा एवं आत्मविश्वासी और संवेदनशील युवा वयस्कों के रूप में विकसित होने में मदद करेगा।

मैं अत्यंत हर्ष के साथ डीसीएसी कॉलेज में आप सभी का स्वागत करता हूं। कॉलेज में प्रवेश, विद्यार्थी के जीवन का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मैं आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

प्रो. राजीव चोपड़ा

कॉलेज प्रोफ़ाइल

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स दक्षिण दिल्ली में नेताजी नगर के शांत और शांतिपूर्ण परिसर में स्थित है। डीसीएसी एनईपी 2020 के तहत विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अलावा, कॉलेज विभिन्न ऐड-ऑन विदेशी भाषा पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। कॉलेज अपने छात्रों को जीवन भर के लिए रोमांचक शिक्षा अनुभव प्रदान करने का प्रयास करता है, और हमारे संकाय सदस्य और गैर-शिक्षण सदस्य इस महान उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करते हैं। छात्रों को उचित वैचारिकी में प्रशिक्षित करके और उनकी विश्लेषण की शक्तियों को तेज करके, कॉलेज उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है। डीसीएसी में शिक्षा प्रक्रिया में व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशालाएं, पॉवर-पॉइंट प्रस्तुतियां और सम्मेलन शामिल हैं जो छात्रों को नए विचारों के अनुकूलन में सक्रिय करते हैं और उन्हें मूल्यवान जीवन कौशल प्रदान करते हैं जो उन्हें पारंपरिक मूल्यों और समकालीन दुनिया द्वारा प्रस्तुत संभावनाओं के बीच रचनात्मक रूप से काम करने में सक्षम बनाते हैं। कॉलेज में एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट मीडिया लैब, एक मल्टी-पर्पस हॉल और दो सेमिनार रूम हैं जो नवाचारी शैक्षिक गतिविधियों के लिए स्थितियों का निर्माण करते हैं। हमारे पास एक गतिशील प्लेसमेंट सेल है जिसने हमारे छात्रों को अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में उत्कृष्ट स्थिति और आकर्षक पैकेज सुरक्षित करने में मदद की है। अकादमिक में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के अलावा, हम उन्हें लगातार अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रोजेक्ट तंज़ील के हिस्से के रूप में, वे पड़ोस में रहने वाले वंचितों के बच्चों को समग्र शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

कॉलेज वाई-फाई सक्षम है और इसमें 120 से अधिक कंप्यूटरों और एक ई-संसाधन केंद्र के साथ एक पूरी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर लैब और एक सुसज्जित पुस्तकालय है। कॉलेज की खेल, एनएसएस और एनसीसी इकाइयों ने कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं, और नए शिखर पर पहुंचने का निरंतर प्रयास कर रही हैं। इसके अलावा, कॉलेज में डिबेटिंग, फैशन, स्ट्रीट प्ले, डांस एंड म्यूजिक, इनैक्टस, प्रकृति और क्लिक्स फोटोग्राफी सोसायटी जैसी जीवंत सोसाइटी हैं। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में इन सबके विषय में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी मिलेगी। इनके शेड्यूल कॉलेज की वेबसाइट में देखे जा सकते हैं।

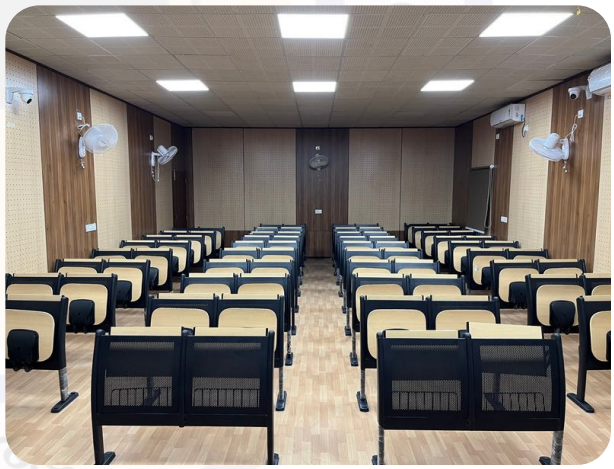

दाखिला/ प्रवेश

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी दिशानिर्देश और समयबद्धता 2023-24 के शैक्षणिक सत्र के लिए विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स द्वारा सख्ती से पालन किया जाएगा। आवेदकों को दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट (link unavailable) पर उपलब्ध विस्तृत दिशानिर्देशों को पढ़ने की सलाह दी जाती है। **छात्रों के कल्याण के लिए निम्नलिखित कॉलेज समितियां समर्पित हैं:**

प्रवेश के लिए नोडल अधिकारी
प्रोफेसर नीरू कपूर
(NKAPOOR@DCAC.DU.AC.IN)

केंद्रीय प्रवेश समिति
प्रोफेसर राजीव कुमार गोयल - संयोजक
(rkgoel@dcac.du.ac.in)

शिकायत निवारण समिति
डॉ मुकेश बागोरिया - संयोजक 9810887805
(mbagoria@dcac.du.ac.in)

प्रवेश सहायता डेस्क
डॉ संतोष भारती - संयोजक
मोब:9910794444
(santosh.bharti@dcac.du.ac.in)

आरक्षित श्रेणियों (एससी/एसटी/ओबीसीएनएल/ ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी/अल्पसंख्यक उम्मीदवार) के लिए प्रवेश सहायता डेस्क
डॉ मुकेश बागोरिया - संयोजक 9810887805
(mbagoria@dcac.du.ac.in)

खेल प्रवेश समिति
प्रोफेसर राजीव चोपड़ा - अध्यक्ष
डॉ मनोज राठी - संयोजक
(manoj.rathi@dcac.du.ac.in)

प्रोक्टोरियल समिति (अनुशासन)
श्री अमित कुमार यादव - संयोजक
(amit.yadav@dcac.du.ac.in)

शुल्क रियायत/छात्र सहायता कोष समिति
डॉ संगीता अग्रवाल - संयोजक
(sangeeta.gupta@dcac.du.ac.in)

महिला सामान्य कक्ष (जीसीआर) समिति
डॉ लक्ष्मी - संयोजक
(laxmi@dcac.du.ac.in)

पत्रिका समिति
डॉ नेहा जिंगला - संयोजक
(neha.jingala@dcac.du.ac.in)

सांस्कृतिक समिति
डॉ शिल्पा चौधरी - संयोजक
(shilpa.chowdhary@dcac.du.ac.in)

एंटी-रैगिंग समिति
लेफ्टिनेंट भूपिंदर - संयोजक
(bsjaryal@dcac.du.ac.in)

उन्मुखीकरण और वार्षिक दिवस समिति
डॉ आकृति कोहली - संयोजक
(aakriti.kohli@dcac.du.ac.in)

प्लेसमेंट समिति
डॉ शशि कांत - संयोजक
(shashikant@dcac.du.ac.in)

कौशल विकास समिति
डॉ शिल्पा चौधरी - संयोजक
(shilpa.chowdhary@dcac.du.ac.in)

मूल्य संवर्धन और कौशल उन्नयन पाठ्यक्रमों (वीएसी और एसईसी) के लिए नोडल अधिकारी
श्री अमित कुमार यादव 7042116224 (amit.yadav@dcac.du.ac.in)

प्रवेश के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी

प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने और विश्वविद्यालय द्वारा शारीरिक सत्यापन अधिसूचना जारी होने के बाद, आवेदकों को निम्नलिखित दस्तावेजों को मूल रूप से स्व-सत्यापित दो प्रतियों के साथ प्रस्तुत करना होगा:

प्रवेश के समय स्व-सत्यापित प्रतियाँ

1.ऑनलाइन विश्वविद्यालय पंजीकरण फॉर्म की प्रति

2. आधार कार्ड की प्रति

3. दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि और माता-पिता के नाम हों। (एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/सीडब्ल्यू/केएम के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम आरक्षण प्रमाण पत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए; इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम दोनों प्रमाण पत्रों पर समान होने चाहिए।)

4. कक्षा X अंक पत्र

5. कक्षा XII अंक पत्र

6. कक्षा XII का अस्थायी प्रमाण पत्र/मूल प्रमाण पत्र

7.एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/सीडब्ल्यू/केएम प्रमाण पत्र (आवेदक के नाम पर) जारी किया गया एसडीएम द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार

8. ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) प्रमाण पत्र (आवेदक के नाम पर) जारी किया गया एसडीएम द्वारा 31 मार्च 2024 को या उसके बाद, और जिसमें जाति ओबीसी सेंट्रल लिस्ट में हो जारी की गई (link unavailable) हो।

9. ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप में एसडीएम द्वारा जारी किया गया 31 मार्च 2024 को या उसके बाद, जो प्रमाणित करता है कि आवेदक इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है।

10. कम से कम चार पासपोर्ट आकार के स्व-सत्यापित फोटोग्राफ

यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि कोई झूठा अटेस्टेशन/फर्जी रिकॉर्ड पाया जाता है, तो छात्र को विश्वविद्यालय/या उसके कॉलेजों में अगले पांच वर्षों के लिए किसी भी पाठ्यक्रम में भाग लेने से वंचित कर दिया जाएगा और, इसके अलावा, उसके खिलाफ आईपीसी (470, 471, 474 आदि) की प्रासंगिक धाराओं के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।

निम्नलिखित में से कोई एक दस्तावेज, मूल रूप में, पहचान के प्रमाण के रूप में स्वसत्यापित घोषणाएं प्रस्तुत करते समय चाहिए होगा:

वोटर आईडी कार्ड
आधार कार्ड
ड्राइविंग लाइसेंस
पैन कार्ड
पासपोर्ट

शुल्क संरचना

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रथम वर्ष 2024-2025 में शुल्क संरचना और छात्र प्रवेश

कुल सीटें							Fee Structure in ₹			
पाठ्यक्रम	कुल छात्र प्रवेश	यूआर	एससी	एसटी	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस	यूआर/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस	एससी	एसटी	पीडब्ल्यूडी
बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	58	24	9	4	16	05	12800	12800	12800	155
बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी	58	24	9	4	16	05	12800	12800	12800	155
बीए (ऑनर्स) इतिहास	58	24	9	4	16	05	12800	12800	12800	155
बीए (ऑनर्स) पत्रकारिता	39	16	6	3	11	03	22150	22150	22150	155
बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	58	24	9	4	16	05	12800	12800	12800	155
बीए (प्रोग्राम)	171	69	26	13	46	17	12800	12800	12800	155
बीकॉम (प्रोग्राम)	171	69	26	13	46	17	12800	12800	12800	155
बीकॉम (ऑनर्स)	115	46	17	9	31	12	12800	12800	12800	155

नोट:

निम्नलिखित पाठ्यक्रम/विषय/पेपर के लिए अतिरिक्त शुल्क:

बीए (प्रोग्राम)- एएसपीएम/जर्मन/एचआरएम/स्पेनिश = 500/- = 12800+500=13300
बीए (प्रोग्राम)- कंप्यूटर एप्लीकेशन = 600/- = 12800+600=13400

- . ओबीसी/एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस के लिए सीटों का आरक्षण दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार है।
- . सभी मामलों में, सुरक्षा जमा/सावधानी पैसा (यदि कोई हो) प्रासंगिक तिमाहियों से मंजूरी प्राप्त करने के बाद वापसी योग्य होगा, बशर्ते वह/वह संस्थान छोड़ने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर वापसी के लिए आवेदन करता है/करती है।
- . परीक्षा शुल्क छात्र द्वारा भुगतान किया जाएगा जो पाठ्यक्रम और प्रत्येक सेमेस्टर में पेपर पर निर्भर करेगा।
- . शुल्क वापसी प्रक्रिया केंद्रीकृत है। इसलिए, उम्मीदवारों को वापसी संबंधी प्रश्नों के लिए विश्वविद्यालय प्रवेश समिति से संपर्क करना चाहिए।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार आरक्षण और छूट

3.ग.1 अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

कुल सीटों की 22.5% सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (15% अनुसूचित जाति और 7.5% अनुसूचित जनजाति के लिए, यदि आवश्यक हो तो अदला-बदली) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। पंजीकरण और प्रवेश के समय उम्मीदवार के पास अपने नाम पर जाति/जनजाति प्रमाण पत्र होना चाहिए। जाति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेखित होना चाहिए:
(अ) उसकी जाति/जनजाति का नाम
(ब) क्या उम्मीदवार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित है
(स) उम्मीदवार के सामान्य निवास स्थान का जिला और राज्य या केंद्र शासित प्रदेश
(द) भारत सरकार की अनुसूची जिसके तहत उसकी जाति/जनजाति को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुमोदित किया गया है।

उम्मीदवार को प्रवेश के समय वैध मूल एससी या एसटी जाति/जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

निम्नलिखित अधिकारी आवश्यक एससी/एसटी प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत हैं:

(अ) जिला मजिस्ट्रेट/एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडिशनल डिप्टी कमिश्नर/ डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी स्टिपेंडिअरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट/तहसीलदार मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर

(ब) चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट
(स) राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार के पद से नीचे नहीं हैं।
(द) उस क्षेत्र का उप-विभागीय अधिकारी जहां आवेदक और/या उसका परिवार सामान्य रूप से निवास करता है।
(इ) प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकारी (लक्षद्वीप द्वीप समूह)

उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि किसी भी अन्य व्यक्ति/प्राधिकरण द्वारा जारी किया गया एससी/ एसटी प्रमाण पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उम्मीदवार एससी या एसटी से संबंधित होता है, तो उम्मीदवार की जाति/जनजाति को भारत सरकार की उपयुक्त अनुसूची में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना कॉलेजों का वैधानिक दायित्व है।
कॉलेज शिक्षा के माध्यम के आधार पर किसी भी एससी/एसटी उम्मीदवार को प्रवेश देने से इनकार नहीं करेंगे। किसी विशेष भाषा के ज्ञान में किसी भी कमी को दूर किया जाना चाहिए; इस प्रयोजन के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उपलब्ध अनुदान का उपयोग करके कॉलेज द्वारा उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

3.ग.2. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण नीति

दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचना (संदर्भ संख्या एका/रिजर्वेशन ऑफ ईडब्ल्यूएस/2019/63 दिनांक 28 मार्च 2019 और संदर्भ संख्या एका/आरक्षण ऑफ ईडब्ल्यूएस/2019/101 दिनांक 15 मई 2019) के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के लिए आरक्षण के लिए, विश्वविद्यालय विभाग/केंद्र/कॉलेजों ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी के उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए 10% सीटें आरक्षित की हैं। प्रमाण पत्र 31 मार्च 2024 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।

3.ग.3. अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी, गैर-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) के लिए सीटों का आरक्षण

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी - गैर-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) के उम्मीदवारों के लिए 27% सीटें आरक्षित हैं। ओबीसी उम्मीदवार को प्रवेश देने के समय, कॉलेज यह सुनिश्चित करेगा कि जाति केंद्रीय सूची में शामिल है (ओबीसी की स्थिति केंद्रीय (भारत सरकार) ओबीसी सूची के आधार पर निर्धारित की जानी चाहिए, जिसे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर अधिसूचित किया गया है)। प्रमाण पत्र में उम्मीदवार की गैर-क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख होना चाहिए (गैर-क्रीमी लेयर स्थिति डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93-एसटी दिनांक 15.11.1993 द्वारा उल्लिखित प्राधिकरण द्वारा जारी की गई है)। केवल केंद्रीय सूची में शामिल जाति वाले ओबीसी उम्मीदवार जो 'गैर-क्रीमी लेयर' से संबंधित हैं, ओबीसी श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए विचार करने के पात्र होंगे (उम्मीदवारों के 'गैर-क्रीमी लेयर' स्थिति के संबंध में ओबीसी प्रमाण पत्र की वैधता अवधि डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/2013-एसटी (रेस-आई) दिनांक 31 मार्च 2016 के अनुसार है)। प्रमाण पत्र 31 मार्च 2023 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।

सुपरन्यूमेरी सीटें

सीयूईटी 2024 के माध्यम से सभी सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश होगा। सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी 2024 में उपस्थित होना अनिवार्य है।

श्रेणी	
पीडब्ल्यूबीडी	(मानक विकलांगता वाले व्यक्ति)
सीडब्ल्यू	पैरा- मिलिट्री सहित सशस्त्र बलों के कर्मियों के बच्चे/विधवाएं)
ईसीए	अतिरिक्त-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ
खेल	खेल
केएम	कश्मीरी प्रवासी
पीएमएसएस	जम्मू-कश्मीर के लिए प्रधान मंत्री की विशेष छात्रवृत्ति
एसएस	नामांकित सिक्किमी छात्र
डब्ल्यूक्यू	दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा
ओक्यू	अनाथ कोटा

3.घ.1 बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए सीटों का आरक्षण

ए. लोकोमोटर विकलांगता

लोकोमोटर विकलांगता (एक व्यक्ति की अपने आप और वस्तुओं की गति से जुड़ी विशिष्ट गतिविधियों को करने में अक्षमता जो मांसपेशियों या तंत्रिका तंत्र या दोनों की बीमारी के कारण होती है), जिसमें शामिल हैं:

(अ) "कुष्ठ रोग से मुक्त व्यक्ति" का अर्थ एक ऐसा व्यक्ति है जो कुष्ठ रोग से मुक्त हो गया है लेकिन
(i) जो हाथ या पैर में संवेदना की हानि के साथ-साथ आंख और पलक में पारेसिस और विकृति की हानि से पीड़ित है;
(ii) विकृति और पारेसिस के साथ-साथ हाथ और पैर में पर्याप्त गतिशीलता है जो उन्हें सामान्य आर्थिक गतिविधि में शामिल होने में सक्षम बनाती है;
(iii) अत्यधिक शारीरिक विकृति के साथ-साथ बढ़ती उम्र जो उन्हें किसी भी लाभकारी व्यवसाय करने से रोकती है, और "कुष्ठ रोग से मुक्त" व्यक्ति को इसी प्रकार समझा जाएगा;
(ब) "मस्तिष्क पक्षाघात" का अर्थ एक समूह है जो शरीर की गति और मांसपेशियों के समन्वय को प्रभावित करने वाली गैर-प्रगतिशील न्यूरोलॉजिकल स्थिति है, जो आमतौर पर जन्म से पहले, उसके दौरान या तुरंत बाद होने वाले मस्तिष्क के एक या अधिक विशिष्ट क्षेत्रों को नुकसान के कारण होती है;
(स) "बौनापन" का अर्थ एक चिकित्सा या आनुवंशिक स्थिति है जो एक वयस्क की ऊंचाई 4 फीट 10 इंच (147 सेमी) या उससे कम होने का कारण बनती है;
(द) "मांसपेशियों का डिस्ट्रॉफी" का अर्थ वंशानुगत आनुवंशिक मांसपेशियों की बीमारियों का समूह है जो मानव शरीर को चलाने वाली मांसपेशियों को कमजोर करता है और कई डिस्ट्रॉफी वाले व्यक्तियों के जीन में गलत और अनुपलब्ध जानकारी होती है जो उन्हें स्वास्थ्य के लिए आवश्यक प्रोटीन बनाने से रोकती है। कंकाल की माँसपेशियों में कमजोरी, माँसपेशियों के प्रोटीन में दोष और माँसपेशियों की कोशिकाओं और ऊतकों की मृत्यु इसके लक्षण हैं।
(ड़) एसिड अटैक विक्टिम- अम्ल या ऐसे किसी हानिकारक तत्व के हमले के शिकार होने के कारण उत्पन्न शारीरिक अक्षमता

ब. दृष्टि बाधितता

(अ) "अंधापन" का अर्थ एक ऐसी स्थिति है जहां एक व्यक्ति में निम्नलिखित में से कोई एक है:
(i)दृष्टि की कुल अनुपस्थिति; या
(ii) बेहतर आंख में 3/60 से कम या 10/200 (स्नेलेन) से कम दृष्टि दूरदर्शिता सबसे अच्छी संभावित सुधार के साथ; या
(iii)दृष्टि क्षेत्र की सीमा, जो 10 डिग्री से कम कोण को संकेत करती है, सर्वोत्तम सुधार के बाद।
(आ) "लो-विजन" का अर्थ एक ऐसी स्थिति है जहां एक व्यक्ति में निम्नलिखित में से कोई एक है:
(i)दृष्टि दूरदर्शिता 6/18 से अधिक नहीं या 20/60 से 3/60 या 10/200 (स्नेलेन) तक बेहतर आंख में सबसे अच्छी संभावित सुधार के साथ;
(ii) या दृष्टि क्षेत्र की सीमा, जो 40 डिग्री से 10 डिग्री तक कोण को संकेत करती है।

ग. श्रवण बाधितता

(अ) "बहरापन" का अर्थ ऐसे व्यक्तियों से है जिनमें दोनों कानों में भाषण आवृत्तियों में 70 डीबी श्रवण हानि है;
(ब) "कान की बाधितता" का अर्थ उन व्यक्तियों से है जिनमें दोनों कानों में भाषण आवृत्तियों में 60 डीबी से 70 डीबी श्रवण हानि है;
(स) "भाषण और भाषा विकलांगता" का अर्थ एक स्थायी विकलांगता है जो लैरींजेक्टॉमी या अफ़ेज़िया जैसी स्थितियों के कारण भाषण और भाषा के एक या अधिक घटकों को प्रभावित करती है, जो कि जैविक या तंत्रिका संबंधी होती है।

द. बौद्धिक विकलांगता

एक स्थिति जो बौद्धिक कार्यों (तार्किक, सीखने, समस्या समाधान) और अनुकूल व्यवहार दोनों में महत्वपूर्ण सीमितता के द्वारा चिह्नित होती है, जिसमें दैनिक, सामाजिक और व्यावहारिक कौशलों की श्रृंखला शामिल है, जिनमें शामिल हैं:
यह पाठ विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण से संबंधित है, जिसमें विभिन्न प्रकार की विकलांगताओं के लिए परिभाषाएं और मानदंड शामिल हैं, जैसे कि श्रवण बाधितता, बौद्धिक विकलांगता, आदि।
(अ) विशिष्ट शिक्षा विकलांगताएं
इसका अर्थ एक विविध समूह की स्थितियों से है, जिसमें भाषा की प्रक्रिया में कमी होती है, जो वाचिक या लिखित हो सकती है, जो स्वयं को समझने, बोलने, पढ़ने, लिखने, वर्तनी या गणितीय गणना करने में कठिनाई के रूप में प्रकट हो सकती है, और इसमें ऐसी स्थितियां शामिल हैं जैसे कि संवेदी विकलांगताएं, डिस्लेक्सिया, डिसग्राफिया, डिस्कैलकुलिया, डिस्प्रेक्सिया और विकासात्मक अफ़ेज़िया।
(ब) ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार
इसका अर्थ एक न्यूरो-विकासात्मक स्थिति है जो आमतौर पर जीवन के पहले तीन वर्षों में दिखाई देती है जो एक व्यक्ति की संचार करने, संबंधों को समझने और दूसरों के साथ संबंध बनाने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, और इसमें अक्सर असामान्य या स्टीरियोटाइपिकल अनुष्ठानों के साथ जुड़ी होती है।

(च) मानसिक व्यवहार

इसका अर्थ विचार, मूड, धारणा, अभिविन्यास या स्मृति का एक महत्वपूर्ण विकार है जो निर्णय, व्यवहार, वास्तविकता को पहचानने की क्षमता या जीवन की सामान्य मांगों को पूरा करने की क्षमता को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, लेकिन इसमें मानसिक मंदता शामिल नहीं है, जो एक व्यक्ति के मन के विकास की रुकावट या अधूरी विकास की स्थिति है, जो विशेष रूप से बुद्धिमत्ता की उप-सामान्यता से चिह्नित होती है।

(छ) पुरानी न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के कारण होने वाली विकलांगता, जैसे कि—

(अ) "मल्टीपल स्केलेरोसिस" का अर्थ एक सूजन, तंत्रिका तंत्र की बीमारी है जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के तंत्रिका कोशिकाओं के अक्षों के चारों ओर मायलिन शीथ को नुकसान पहुंचाया जाता है, जिससे डेमाइलिनेशन होता है और मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका कोशिकाओं को एक दूसरे के साथ संवाद करने की क्षमता प्रभावित होती है;
(ब) "पार्किंसंस रोग" का अर्थ एक प्रगतिशील बीमारी है जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती है, जिसमें कंपन, पेशी जकड़न और धीमी, अस्पष्ट गति शामिल है, जो मुख्य रूप से मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग लोगों को प्रभावित करती है, जो मस्तिष्क के बेसल गैंग्लिया के अपक्षय और न्यूरोट्रांसमीटर की कमी से जुड़ी होती है।

(ज) रक्त विकार

(अ) "हीमोफीलिया" का अर्थ एक वंशानुगत बीमारी है, जो आमतौर पर केवल पुरुषों को प्रभावित करती है लेकिन महिलाओं द्वारा अपने पुत्रों को स्थानांतरित की जाती है, जो रक्त की सामान्य जमावट क्षमता की हानि या बाधा के द्वारा चिह्नित की जाती है जिसमें एक छोटी सी चोट घातक रक्तस्राव में परिणत हो सकती है।
(ब) "थैलेसीमिया" का अर्थ वंशानुगत विकारों से चिह्नित एक समूहहोता है, जिसमें हीमोग्लोबिन अनुपस्थित या कम मात्रा में होता है;
(स) "सिकल सेल रोग" का अर्थ एक हेमोलिटिक विकार है जो पुरानी एनीमिया, दर्दनाक घटनाओं और संबंधित ऊतक और अंग की क्षति के कारण विभिन्न जटिलताओं से चिह्नित होता है; "हेमोलिटिक" का अर्थ लाल रक्त कोशिकाओं की कोशिका झिल्ली के विनाश से होता है जिससे रिलीज होता है।

(झ) एक से अधिक विकलांगताएं (उपरोक्त निर्दिष्ट विकलांगताओं में से एक से अधिक)

एक से अधिक विकलांगताएं, जिनमें डेफ ब्लाइंडनेस भी शामिल है, जिसका अर्थ एक ऐसी स्थिति है जिसमें एक व्यक्ति में श्रवण और दृष्टि दोनों की कमी का संयोजन हो सकता है, जिससे गंभीर संचार, विकासात्मक और शैक्षिक समस्याएं होती हैं।

केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित कोई अन्य श्रेणी।

मानक विकलांगता वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के लिए शुल्क में छूट / माफी

1. शारीरिक अक्षमता वाले उम्मीदवार जो विश्वविद्यालय के कॉलेजों, विभागों, केंद्रों, फैकल्टी सें विभिन्न प्रोग्रामों में अध्ययनरत हैं, वे परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालयी शुल्क से मुक्त होंगे। मगर विश्वविद्यालय के संशोधित ऑर्डिनेंस x(4) के अनुसार प्रवेश शुल्क और आई कार्ड शुल्क देय होगा।
2. पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार जो सामान्य श्रेणी के लिए योग्यता पूरी करते हैं और सामान्य श्रेणी (यूआर) में प्रवेश लेंगे, वे पीडब्ल्यूबीडी के लिए प्रासंगिक शुल्क का भुगतान करेंगे।
3. कार्यकारी परिषद के संकल्प संख्या 50 दिनांक 03.11.2012 के अनुसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों / हॉल में रहने वाले शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को सभी छात्रावास शुल्क और शुल्कों के भुगतान से छूट दी जाएगी, छूटप्राप्त सावधि शुल्क और मेस शुल्क को छोड़कर। शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति जो छात्र हैं वे मेस शुल्क का 50% भुगतान करेंगे और शेष 50% मेस शुल्क का भुगतान दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। कॉलेजों द्वारा पीडब्ल्यूबीडी छात्रों के लिए समान मानदंड अपनाए जाने हैं।
4. उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पीडब्ल्यूबीडी प्रमाण पत्र उम्मीदवार के नाम पर है और एक मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किया गया है, जिसमें उम्मीदवार की विधिवत सत्यापित फोटो हो।
5. पीडब्ल्यूबीडी छात्र जो फेलोशिप / वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं, वे निम्नलिखित शर्तों के अधीन शुल्क / शुल्क / मेस शुल्क के भुगतान से मुक्त होंगे।

फेलोशिप मूल्य	**फीस माफी और छूट**
फीस माफी और छूट	फीस माफी + 50% मेस सब्सिडी
3001/ से 8000/ प्रति माह	माह फीस माफी लेकिम मेस सब्सिडी नहीं
8001/ और ऊपर प्रति माह	कोई शुल्क माफी नहीं और कोई छात्रावास सब्सिडी नहीं

3.घ.2 सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चों/ विधवाओं के लिए आरक्षण

सभी कॉलेजों में पाठ्यक्रमवार इस श्रेणी के अतर्गत आवेदकों के लिए पाँच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं। ऐसे सभी आवेदकों को निम्नलिखित में से किसी भी प्राधिकारी में से किसी भी प्राधिकारी द्वारा जारी किए जाने वाले शैक्षिक रियायत प्रमाणपत्र (परिशिष्ट Vii में दिए गए प्रारूप के अनुसार) को उचित लेटरहेड पर अपलोड करना होगा।
(अ) सचिव, केंद्रीय सैनिक बोर्ड, दिल्ली
(ब) सचिव, राज्य जिला सैनिक बोर्ड
(स) प्रभारी अधिकारी, अभिलेख कार्यालय
(द) प्रथम श्रेणी वजीफा मजिस्ट्रेट
(ज) गृह मंत्रालय (वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस कर्मियों के लिए)

किसी अन्य प्रारूप की अनुमति नहीं होगी। माता-पिता या आश्रित के आई डी कार्ड , मेडिकल कार्ड, राशन कार्ड, सीएसडी कार्ड, आदि के रूप से सीडब्ल्यू श्रेणी के प्रमाण सही प्रारूप में प्रमाण पत्र के स्थान पर स्वीकार्य नहीं हैं। प्रमाण पत्र में प्राथमिकता का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए। प्रासंगिक प्राथमिकता का उल्लेख नहीं करने वाले प्रमाणपत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पैरा मिलिट्री कार्मिक (केवल प्राथमिकता । से v) सहित सशस्त्र बलों (प्राथमिकता । से ix) के कार्मिकों के बच्चों/ विधवाओं को वरीयता के निम्नलिखित क्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।

प्राथमिकता ।	कार्रवाई में मारे गए रक्षाकर्मियों की विधवाएँ/बच्चे
प्राथमिकता 2	कार्रवाई में अक्षम रक्षाकर्मियों के बच्चे और सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के साथ सेवा से बाहर होने वाले
प्राथमिकता 3	सैन्य सेवा के कारण मृत्यु - सेवा के दौरान शहीद हुए रक्षाकर्मियों की विधवाएँ, बच्चे
प्राथमिकता 4	उन रक्षाकर्मियों के बच्चे जो सैन्य सेवा के दौरान मिली विकलांगता के साथ बोर्ड से बाहर हो गए
प्राथंमिकता 5	5 वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस बलों के कर्मियों सहित भूतपूर्व सैनिकों और सेवारत कर्मियों के बच्चे, परमवीर चक्र अशोक चक्र महावीर चक्र कीर्ति चक्र वीर चक्र शौर्य चक्र शौर्य के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक/अग्निशमन कर्मियों के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक सेना पदक (वीरता) , नौ-सेना पदक (वीरता), वायु सेना पदक (वीरता) मेंशन-इन-डिस्पैच दमकल सेवाओं के लिए वीरता/शौर्य पदक के लिए पुलिस पदक
प्राथमिकता 6	भूतपूर्व सैनिकों के बच्चे
प्राथमिकता 7	निम्न की पत्नियाँ- रक्षाकर्मी कार्रवाई में अक्षम और सेवा से बाहर हुए रक्षाकर्मी सेवा में अक्षम और सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के साथ बोर्ड से बाहर हुए वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले भूतपूर्व सैनिक और सेवारत कर्मी
प्राथमिकता 8	सेवारत कर्मियों के वार्ड
प्राथमिकता 9	सेवारत कर्मियों की पत्नियाँ

3.घ.3 कश्मीरी प्रवासियों के लिए सीटों का आरक्षण (केएम)

कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए सभी कॉलेजों में 5% तक सीटें आरक्षित हैं। कश्मीरी प्रवासियों के सभी वार्डों को संभागीय आयुक्त/ राहत आयुक्त द्वारा जारी कश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण का प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। कश्मीरी प्रवासियों के कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET 2024 में उपस्थित होना होगा।

3.घ. 4 जम्मू और कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति

जम्मू कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET 2024 में उपस्थित होना होगा।

3.घ.5 दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वार्ड कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET 2024 में उपस्थित होना होगा।
विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज के कर्मचारियों के बच्चों, शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों में प्रवेश अकादमिक परिषद के संकल्प 9 ए और बी दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।
पंजीकरण के समय उम्मीदवारों के पास उचित अधिकारियों द्वारा जारी वैध रोजगार प्रमाण पत्र होना चाहिए। पंजीकरण के समय अपलोड किए गए रोजगार प्रमाण पत्र पर ही विचार किया जाएगा। आई कार्ड, आधार कार्ड, या कोई अन्य दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3.घ.6 अनाथ कोटा

अनाथों के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीटूईटी (यूजी) 2024 में उपस्थित होना अनिवार्य है। दिल्ली विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर अध्ययन के प्रत्येक कार्यक्रम में दो उम्मीदवारों को (एक पुरुष और एक महिला) प्रवेश देगा। ये दो सीटें अतिरिक्त होंगी। विश्वविद्यालय परिषद ने निर्धारित किया कि इस प्रकार के छात्रों के प्रवेश और अध्ययन के लिए विश्वविद्यालय के कल्याण निधि या कॉलेज छात्र कल्याण निधि का उपयोग किया जाएगा।

3.घ.7 पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए) और खेल कोटा

ईसीए या स्पोर्ट्स के लिए सुपरन्यूमेरी कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET 2024 में उपस्थित होना होगा।
ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी सीटों में प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर को 25% और प्रमाण पत्र / परीक्षण / प्रदर्शन के लिए 75% वेटेज दिया जाएगा।
कॉलेज निम्नलिखित खेल प्रदान करता है-
एथलेटिक्स, बास्केट बॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, जूडो, निशानेबाजी, तैराकी, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल।

ड. प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची

1. बी.ए. (प्रोग्राम)*
2. बी.कॉम (प्रोग्राम)
3. बी.कॉम ऑनर्स
4. बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
5. बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी
6. बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास
7. बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता
8. बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

* बी.ए (प्रोग्राम) कॉलेज में निम्नलिखित अनुशासन विकल्पों के साथ दिया जाता है।

क्र सं	अनुशासन-I	अनुशासन-II
1.	लेखा और वित्त	कंप्यूटर अनुप्रयोग
2.	एएसपीएम (विज्ञापन बिक्री संवर्धन और प्रबंधन)	अर्थशास्त्र
3.	कंप्यूटर अनुप्रयोग	गणित
4.	कंप्यूटर अनुप्रयोग	ऑपरेशनल रिसर्च
5.	अर्थशास्त्र	एचआरएम (मानव संसाधन प्रबंधन)
6.	अर्थशास्त्र	गणित
7.	हिंदी(अनुशासन)	इतिहास
8.	हिंदी(अनुशासन)	राजनीतिक विज्ञान
9.	हिंदी(अनुशासन)	शारीरिक शिक्षा
10.	इतिहास	राजनीतिक विज्ञान
11.	अंग्रेजी(अनुशासन)	जर्मन
12.	अंग्रेजी(अनुशासन)	स्पेनिश

च. ऐड-ऑन पाठ्यक्रम

कॉलेज निम्नलिखित ऐड-ऑन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है-

क्रमांक	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	अवधि
1	जर्मन- सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा	50	6 महीने
2	स्पेनिश- सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा	50	6 महीने
3	फ्रेंच- सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा	50	6 महीने
4	मास मीडिया में बुनियादी पाठ्यक्रम	20	3 महीने

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के संबंध में सभी जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर अधिसूचित की जाती है। इन पाठ्यक्रमों के समन्वयक डॉ. कृष्ण लाल ढींगरा हैं।

3.झ.1 डिजिटल मार्केटिंग सर्टिफिकेट कोर्स

कॉलेज किसी भी विद्यार्थी के लिए डिजिटल मार्केटिंग में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करता है जो डिजिटल मार्केटिंग के मूल सिद्धांतों को सीखना चाहता है और इस उभरते क्षेत्र में करियर बनाना चाहता है।

कोर्स की अवधि - 6 महीने

विभाग

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग कॉलेज को विभिन्न बैचलर कोर्सेज प्रदान करता है जो वाणिज्य में हैं: वाणिज्य (आनर्स) स्नातक, वाणिज्य (प्रोग्राम) स्नातक और वाणिज्य-आधारित विषय संयोजनों के साथ आर्ट्स (प्रोग्राम) का स्नातक, जिसमें निम्नलिखित संयोजन हैं: (अ) विज्ञापन और बिक्री प्रचार और बिक्री प्रबंधन के साथ अर्थशास्त्र (बी) मानव संसाधन प्रबंधन के साथ अर्थशास्त्र (सी) लेखा और वित्त के साथ कंप्यूटर एप्लीकेशन। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रस्तावना के साथ, जिसमें वाणिज्य, कला, विज्ञान और पाठ्येतर अनुशासन के विषयों के बीच कोई प्रत्यक्ष भेद नहीं होगा, हम अपने छात्रों को व्यावसायिकता, वाणिज्य, व्यापार और सामाजिक जिम्मेदारी से संबंधित एसईसी, वीएसी, और जीई पेपर्स प्रदान कर रहे हैं।

-कैप्टन भूपिंदर

संकाय सदस्य

1	प्रो. राजीव चोपड़ा	मुख्याध्यापक	principaldcac@gmail.com
2	प्रो. राजीव कु. गोयल	प्रोफ़ेसर	rkgoel@dcac.du.ac.in
3	प्रो. अनीता	प्रोफ़ेसर	anita@dcac.du.ac.in
4	प्रो. नीरू कपूर	प्रोफ़ेसर	nkapoor@dcac.du.ac.in
5	प्रो. बिजया ठाकुर	प्रोफ़ेसर	bthakur@dcac.du.ac.in
6	कैप्टन भूपिंदर	सहायक प्रोफ़ेसर	bsjaryal@dcac.du.ac.in
7	डॉ. किशोर कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	kishor.kumar@dcac.du.ac.in
8	डॉ. अनुज जैन	सहायक प्रोफ़ेसर	anuj.jain@dcac.du.ac.in
9	सुश्री नेहा अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	neha.agarwal@dcac.du.ac.in
10	डॉ. संगीता अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	sangeeta.gupta@dcac.du.ac.in
11	डॉ. शालू खत्री	सहायक प्रोफ़ेसर	shallu.9891@dcac.du.ac.in
12	सुश्री ललिता कुमारी	सहायक प्रोफ़ेसर	lalita.kumari@dcac.du.ac.in
13	सुश्री ललिता कुमारी	सहायक प्रोफ़ेसर	chandan.k.singh@dcac.du.ac.in
14	सुश्री किरण गुप्ता	सहायक प्रोफ़ेसर	kiran.gupta@dcac.du.ac.in
15	सुश्री आकांक्षा गर्ग	सहायक प्रोफ़ेसर	akanksha.garg@dcac.du.ac.in
16	श्री राधेश्याम कलावट	सहायक प्रोफ़ेसर	radheshyam.kalawat@dcac.du.ac.in
17	डॉ. लक्ष्मी	सहायक प्रोफ़ेसर	laxmi@dcac.du.ac.in
18	श्री शुभम चावड़िया	सहायक प्रोफ़ेसर	shubham.chavriya@dcac.du.ac.in
19	श्री प्रेम सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	prem.singh@dcac.du.ac.in
20	डॉ. मुकेश कुमार मीणा	सहायक प्रोफ़ेसर	mukesh.meena@dcac.du.ac.in
21	सुश्री मोनिका अरोड़ा	सहायक प्रोफ़ेसर	monika.arora@dcac.du.ac.in
22	डॉ. रोहिणी बघेल	सहायक प्रोफ़ेसर	rohini.baghel@dcac.du.ac.in
23	डॉ. मनीषा सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	manisha.singh@dcac.du.ac.in
24	सुश्री पवन कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	pawan.kumar@dcac.du.ac.in
25	श्री ब्रिजेश यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	brijesh.yadav@dcac.du.ac.in
26	श्री घनश्याम चंद यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	ghanshyamchand.yadav@dcac.du.ac.in
27	डॉ. विप्रा कपूर	सहायक प्रोफ़ेसर	vipra.kapoor@dcac.du.ac.in
28	डॉ. विकास कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	vikas.kumar@dcac.du.ac.in
29	डॉ. आकांक्षा खुराना	सहायक प्रोफ़ेसर	akanksha.khurana@dcac.du.ac.in
30	डॉ. अंकिता गुप्ता	सहायक प्रोफ़ेसर	ankita6669@gmail.com
31	श्री भरत कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	kumarbharat.1902@gmail.com

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग संस्थान का एक अभिन्न अंग बना हुआ है। यह एक संगठनात्मक संरचना है जो कंप्यूटर विज्ञान और आईटी के क्षेत्र में हो रही बदलती तकनीकों के प्रति गतिशील रूप से कार्य कर सकती है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान किए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से छात्रों को आधुनिक कंप्यूटिंग के ज्ञान का अनुप्रयोग करने की क्षमता प्राप्त होती है, जिससे वे किसी भी समस्या का विश्लेषण कर सकते हैं और इसके समाधान के लिए उचित कंप्यूटिंग आवश्यकताएं पहचान सकते हैं। छात्र इसके साथ ही कंप्यूटर-आधारित सिस्टम, प्रक्रिया, घटक या कार्यक्रम का निर्माण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करते हैं ताकि उन्हें वांछित आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षमता हासिल होती है। वे व्यक्तियों, संगठनों और समाज पर कंप्यूटिंग के स्थानीय और वैश्विक प्रभाव का विश्लेषण करने की क्षमता प्राप्त करते हैं। पाठ्यक्रम के अंत तक, छात्र को कंप्यूटिंग अभ्यास के लिए वर्तमान तकनीक, कौशल और उपकरणों का उपयोग करने की क्षमता हासिल हो जाएगी। कॉलेज एकाधिकार कार्यक्रमों में बीए (कार्यक्रम) में निम्नलिखित कंप्यूटर एप्लीकेशन पाठ्यक्रम प्रदान करता है: (अ) लेखा और वित्त के साथ कंप्यूटर एप्लीकेशन (ब) ऑपरेशन रिसर्च के साथ कंप्यूटर एप्लीकेशन (सी) गणित के साथ कंप्यूटर एप्लीकेशन कंप्यूटर विज्ञान विभाग इसके साथ ही फ्रंट एंड वेब डिजाइन और विकास, बेसिक आईटी उपकरण जैसे कौशल विकास पाठ्यक्रम भी प्रदान कर रहा है, जिनमें डिजिटल सशक्तिकरण भी शामिल है।

-डॉ. ममता कुमारी

संकाय सदस्य

1	डॉ. ममता कुमारी	सहायक प्रोफ़ेसर	mamta.kumari@dcac.du.ac.in
2	श्री अमन कुमार पांडे	सहायक प्रोफ़ेसर	aman.pandey@dcac.du.ac.in

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र में स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम छात्रों के लिए सबसे उपयोगी पाठ्यक्रमों में से एक है। इसके जरिए उन्हें तात्कालिक समय में देश और विश्व अर्थव्यवस्था के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समस्याओं की समझ को समृद्ध करने और विचारशीलता का विकास करने का अवसर मिलता है। छात्रों को आर्थिक सिद्धांतों और मॉडल्स में सम्पूर्ण योग्यता प्राप्त होती है, जिसमें माइक्रोइकोनॉमिक्स, मैक्रोइकोनॉमिक्स, क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, सार्वजनिक इकोनॉमिक्स, राजनीतिक अर्थशास्त्र और आर्थिक इतिहास शामिल होते हैं। इससे छात्र शैक्षणिक और पेशेवर दोनों में सफल होने के लिए सक्षम बनते हैं। जिज्ञासु छात्रों को समय-समय पर विभाग द्वारा आयोजित वर्कशॉप, सेमिनार और फ़ील्ड विज़िट्स में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

- डॉ. बीर सिंह

संकाय सदस्य

1	प्रो. शालिनी सक्सेना	प्रोफ़ेसर	ssaksena@dcac.du.ac.in
2	डॉ. मीरा मल्हान	सहायक प्रोफ़ेसर	mmalhan@dcac.du.ac.in
3	सुश्री रश्मि शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	rsharma1@dcac.du.ac.in
4	सुश्री अर्चना जैन	सहायक प्रोफ़ेसर	archana.jain@dcac.du.ac.in
5	डॉ. बीर सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	birsingh@dcac.du.ac.in
6	प्रो. दीप्ति तनेजा	प्रोफ़ेसर	dtaneja@dcac.du.ac.in
7	डॉ. निधि पांडे अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	nidhi.pande@dcac.du.ac.in
8	डॉ. अरुण कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	arun.kumar@dcac.du.ac.in
9	डॉ. तनु	सहायक प्रोफ़ेसर	tanu@dcac.du.ac.in
10	श्री आयुष अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	ayush.agarwal@dcac.du.ac.in
11	डॉ. श्रुति	सहायक प्रोफ़ेसर	shruti@dcac.du.ac.in
12	सुश्री आकांक्षा अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	akanksha.aggarwal@dcac.du.ac.in
13	श्री शाहिद ज़फ़र	सहायक प्रोफ़ेसर	shahid.zafar@dcac.du.ac.in

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेज़ी विभाग इंग्लिश का पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न साहित्यिक पाठों से अवगत कराता है: प्रारंभ में शास्त्रीय भारतीय और ग्रीक साहित्य संस्कृतियों में मजबूत नींव बनाने से शुरू करके, छात्र गंभीरतापूर्वक मध्ययुगीन, नवसृजन, विक्टोरियन और आधुनिक साहित्य का व्यापक अध्ययन करते हैं। प्रबुद्धता के युग और रोमांटिकता के युग के प्रमुख लेखक का भी अध्ययन किया जाता है। यह पाठ्यक्रम सिर्फ अंग्रेजी में लिखी साहित्यिक रचनाओं तक सीमित नहीं होता है, बल्कि इसमें ग्रीक और संस्कृत में लिखी गई मूल रचनाओं से लेकर आधुनिक यूरोपीय और भारतीय भाषाओं में किए गए विविध लेखन का भी समावेश होता है। भाषाओं में विभिन्नता, साहित्यिक आंदोलनों और ऐतिहासिक परिवर्तन अध्ययन का अविभाज्य हिस्सा है। छात्र विभिन्न सांस्कृतिक और बहुअनुशासनीय परिप्रेक्ष्यों से पाठों का अध्ययन करने की महत्ता सीखते हैं।

हमारी अंग्रेजी फैकल्टी उच्च योग्यता वाली है और शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए जानी जाती है। अध्ययन के दौरान छात्र लिखित और मौखिक संचार में दक्षता हासिल करते हैं। विश्लेषणात्मक कौशल और आलोचनात्मक सोच विकसित कर, अपने विचारों का समर्थन करने के लिए संवाद करने और विकसित करने की क्षमता हासिल करते हैं। अर्जित किए गए विभिन्न कौशल व्यवसायिक उद्यमों के लिए उन्हें समर्थ बनाते हैं। ऑनर्स डिग्री के साथ स्नातक होने के बाद, छात्रों के पास रचनात्मक और पेशेवर लेखन, संपादन, पत्रकारिता, विज्ञापन, सोशल मीडिया, सार्वजनिक संबंध, कॉपीराइटिंग और प्रकाशन में करियर चुनने का विकल्प होता है। किसी अन्य भाषा में दक्षता प्राप्त करने वाले छात्र अनुवादक भी बन सकते हैं, कुछ छात्र B.Ed या एक भाषा शिक्षण प्रमाणन पाठ्यक्रम करने के बाद शिक्षण में जा सकते हैं। रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और बौद्धिक कौशल को बढ़ाने के लिए, विभाग समय-समय पर सेमिनार ,वार्ता, कार्यशालाए और फिल्म स्क्रीनिंग कराता रहता है। विभाग के छात्र अपने रचनात्मक आग्रह को अभिव्यक्ति देने के लिए द कैनल समाचार पत्र भी निकालते हैं।

विभाग अन्य पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों और बीए. (कार्यक्रम) को अंग्रेजी पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। छात्र जो अंग्रेजी अनुशासन (डीएससी) और अंग्रेजी जेनेरिक इलेक्टिव(जीई) का चयन करते हैं, वह अंग्रेजी ऑनर्स छात्रों के समान कौशल प्राप्त करते हैं। बीए (कार्यक्रम)और बीकॉम (कार्यक्रम) के छात्रों को ऐसे पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाती है जिनका उद्देश्य विभिन्न प्रकार के कार्यों के प्रदर्शन के माध्यम से उनके संचार कौशल का निर्माण करना है, जो उन्हें उपयुक्त नौकरी खोजने में सक्षम बनाता है। सभी विषयों में छात्रों को निम्नलिखित पसंद-आधारित पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं - जेनेरिक इलेक्टिव। (GE) और स्किल एंहासमेंट कोर्स (SEC)

-श्री जेरेमिया पामे

संकाय सदस्य

1	प्रो. स्मिता बनर्जी	प्रोफ़ेसर	smita.banerjee@dcac.du.ac.in
2	डॉ. विनीता चतुर्वेदी	सहायक प्रोफ़ेसर	vgchaturvedi@dcac.du.ac.in
3	सुश्री रेणु सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	rsingh@dcac.du.ac.in
4	श्री जेरेमियाह पेम	सहायक प्रोफ़ेसर	jpame@dcac.du.ac.in
5	डॉ. संतोष भारती	सहायक प्रोफ़ेसर	santosh.bharti@dcac.du.ac.in
6	श्री अमित कुमार यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	amit.yadav@dcac.du.ac.in
7	डॉ. नीलम यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	neelam.yadav@dcac.du.ac.in
8	डॉ. ज्योत्सना पाठक	सहायक प्रोफ़ेसर	jyotsna.pathak@dcac.du.ac.in
9	डॉ. अनिमेश महापात्रा	सहायक प्रोफ़ेसर	animesh.mohapatra@dcac.du.ac.in
10	डॉ. शिल्पा चौधरी	सहायक प्रोफ़ेसर	shilpa.chowdhary@dcac.du.ac.in
11	डॉ. ऋत्विका सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	rittvika.singh@dcac.du.ac.in
12	सुश्री अदिति नगर	सहायक प्रोफ़ेसर	aditi.nagar@dcac.du.ac.in
13	श्री कमल	सहायक प्रोफ़ेसर	kamal@dcac.du.ac.in

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण अध्ययन विभाग का उद्देश्य छात्रों को स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक विभिन्न आयामों पर पर्यावरणीय मुद्दों का समाधान करने और एक स्थायी भविष्य निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रायोगिक योग्यताएं प्रदान करना है। विभाग की स्थापना 2022 में हुई थी ताकि संसाधन सुरक्षा, संसाधन संरक्षण, स्वच्छ और हरियाली तकनीक की प्रगति, और पर्यावरणीय नेतृत्व के क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए उत्साहवान पेशेवरों को प्रोत्साहित किया जा सके। वर्तमान में विभाग में दो उच्च योग्यता वाले और प्रेरित युवा फैकल्टी सदस्य हैं, जो पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति बड़े उत्साह और समर्पण से काम करते हैं। शैक्षणिकता के अलावा, विभाग छात्रों के लिए पर्यावरणीय विषयों पर कैंपस और उसके आस-पास के पहलुओं पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें विविधता, कचरा प्रबंधन, ऊर्जा कुशलता और जल संरक्षण का विशेष जोर है। छात्र विभाग में चल रहे व्यक्तिगत और समूह परियोजनाओं का हिस्सा बनने का अवसर भी मिलता है जिससे उनके कौशल और ज्ञान में सुधार होता है। विभाग छात्रों के साथ कैंपस के चारों ओर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है।

विभाग छात्रों के लिए अन्तर्विषयविद्यालयीन शैक्षणिक प्रशिक्षण का संरक्षण करता है, पर्यावरण और स्थायित्व संबंधी इच्छाएं रखने वाले छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करता है। पर्यावरण अध्ययन से यहां पर रोज़गार विकल्प शामिल होते हैं, जैसे पर्यावरण पत्रकार, पर्यावरण विशेषज्ञ, पर्यावरण विज्ञानी, स्थायीत्व सलाहकार, कचरा प्रबंधन अधिकारी, पर्यावरण कानूनविद, जल गुणवत्ता वैज्ञानिक, और वन्यजीव विशेषज्ञ।

- डॉ. राहुल भदौरिया

संकाय सदस्य

1	डॉ. राहुल भदौरिया	सहायक प्रोफ़ेसर	rahul.bhadouria@dcac.du.ac.in
2	डॉ. प्यारी मोहन महाराणा	सहायक प्रोफ़ेसर	pyarimohan.maharana@dcac.du.ac.in

जर्मन विभाग

स्नातक डिग्री पाठ्यक्रमों में जर्मन: 1997 से, डीसीएसी बी.ए. में एक विषय के रूप में जर्मन भाषा पढ़ाई जा रही है। एनईपी 2020 की शुरुआत के साथ कॉलेज ने लघु अनुशासन के रूप में जर्मन के साथ स्नातक कार्यक्रम के लिए जर्मन पाठ्यक्रमों की पेशकश शुरू की। सेमेस्टर I से सेमेस्टर VI तक पेश किए जाने वाले जर्मन कोर पाठ्यक्रम भाषा की मूल बातें सीखने और मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति के लिए इसे लागू करने पर जोर देते हैं। विभाग छात्रों को पोस्टर और पीपीटी बनाने और निबंध लेखन जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। छात्रों को इंटरनेट, विशेषकर यू-ट्यूब पर उपलब्ध अतिरिक्त शिक्षण सामग्री खोजने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। जबकि कुछ छात्र जर्मनी में अध्ययन या काम करने के विशिष्ट उद्देश्य के साथ पाठ्यक्रम में शामिल होते हैं, अन्य बस कुछ नया सीखना चाहते हैं। अधिकांश छात्र जर्मनी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा औद्योगिक विकास से जोड़ते हैं। दर्शन, साहित्य, रंगमंच और इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए जर्मनी और जर्मन भाषा बहुत रुचिकर हैं। जर्मन सीखने से निश्चित रूप से इन सभी छात्रों को अपने विषय का गहराई से अध्ययन करने का अवसर मिलता है। जर्मनी में अध्ययन या काम करने का अवसर अधिकांश छात्रों के लिए एक बड़ा आकर्षण है। कॉलेज की लाइब्रेरी में न केवल पाठ्यपुस्तकें हैं, बल्कि कई किताबें भी हैं जो छात्रों को उनके जर्मन कौशल को निखारने में मदद करती हैं और उन्हें जर्मन भाषी देशों के बारे में अतिरिक्त ज्ञान प्रदान करती हैं।

-सुश्री रेणु शर्मा

संकाय सदस्य

सुश्री रेणु शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	rsharma@dcac.du.ac.in

हिन्दी विभाग

भाषाएं जानना हमारे विकास के लिए महत्वपूर्ण है। अपनी भाषा और साहित्य का गहन और व्यापक ज्ञान हमारी जड़ों को मजबूत करता है। मजबूत जड़ें ही वृद्धि करने वाले पौधे को स्वस्थ और मजबूत वृक्ष बना सकती हैं। इसलिए अपनी भाषा और साहित्य को जानना, सीखना और समझना वास्तव में महत्वपूर्ण है। निम्नलिखित विषय आधारित पाठ्यक्रम छात्रों को प्रदान किए जाते हैं: जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी)।

कॉलेज बीए (प्रोग्राम) में निम्नलिखित हिंदी पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

(अ) इतिहास के साथ हिंदी

(ब) राजनीति विज्ञान के साथ हिंदी

(सी) शारीरिक शिक्षा के साथ हिंदी

प्रो. संजीब कुमार

संकाय सदस्य

1	प्रो. के.एल. ढींगरा	प्रोफ़ेसर	kldhingra@dcac.du.ac.in
2	प्रो. सुजीत कुमार	प्रोफ़ेसर	skumar1@dcac.du.ac.in
3	प्रो. डी.ए.पी. शर्मा	प्रोफ़ेसर	dapsharma@dcac.du.ac.in
4	प्रो. संजीब कुमार	प्रोफ़ेसर	sanjeeb.kumar@dcac.du.ac.in
5	डॉ. पूरण चंद	सहायक प्रोफ़ेसर	puran.chand@dcac.du.ac.in
6	डॉ. रश्मि रावत	सहायक प्रोफ़ेसर	rashmi.rawat@dcac.du.ac.in
7	डॉ. अमिता	सहायक प्रोफ़ेसर	amita@dcac.du.ac.in
8	डॉ. पूनम रानी	सहायक प्रोफ़ेसर	poonam@dcac.du.ac.in

इतिहास विभाग

इतिहास सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र का एक विषय है और आमतौर पर इसे अतीत का रिकॉर्ड तथा राजनीतिक और सामाजिक संरचनाओं, हमारे विचार, धारणाएँ और विश्वासों के उत्थान का अध्ययन समझा जाता है। इतिहास के छात्र को इन उत्पत्तियों और ऐतिहासिक प्रासंगिक विवादों को समझने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। विभाग छात्रों को शोध करने के लिए प्रोत्साहित और प्रशिक्षित करता है। विभिन्न शिक्षण पद्धतियां विषयों को प्रासंगिक और रोचक बनाने के लिए अपनाई जाती हैं। ऐतिहासिक स्थलों और संग्रहालयों की यात्राएँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। विभाग नियमित रूप से फिल्मों की स्क्रीनिंग भी आयोजित करता है। विभाग के छात्रों को प्रमुख इतिहासकारों और संबंधित क्षेत्रों के विशिष्ट विद्वानों के व्याख्यानों से भी अवगत कराया जाता है। छात्रों को कार्यशालाओं और पेपर प्रस्तुतियों का आयोजन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग एक नवंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रमों और वार्षिक उत्सव धरोहर का भी आयोजन करता है। हमारे छात्र भी एक ई-समाचार पत्रिका इतिहासा का आयोजन करते हैं। एक इतिहास स्नातक छात्र शिक्षा और शोध, कानून, पत्रकारिता, सिविल और संबद्ध सेवाएं, पुरातत्व और संग्रहालय में करियर, कला इतिहास, पर्यटन और गैर-लाभ विभाग में काम करने जैसे कई करियर विकल्पों में योगदान कर सकता है।

-सुश्री नीरू ऐलावादी

संकाय सदस्य

1	प्रो. अमृत कौर बसरा	प्रोफ़ेसर	akbasra@dcac.du.ac.in
2	प्रो. ओ.पी. सिंह	प्रोफ़ेसर	opsingh@dcac.du.ac.in
3	प्रो. विवेक मोहन	प्रोफ़ेसर	vivek.mohan@dcac.du.ac.in
4	डॉ. अनिल चौहान	सहायक प्रोफ़ेसर	achauhan@dcac.du.ac.in
5	सहायक प्रोफ़ेसर	सहायक प्रोफ़ेसर	sudha.sharma@dcac.du.ac.in
6	सुश्री नीरू ऐलावादी	सहायक प्रोफ़ेसर	nailawadi@dcac.du.ac.in
7	डॉ. के. सुरेश कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	skumar@dcac.du.ac.in
8	श्री अवधेश कुमार साह	सहायक प्रोफ़ेसर	awadhesh.sah@dcac.du.ac.in
9	सुश्री प्रेरणा गौतम	सहायक प्रोफ़ेसर	prerna.gautam@dcac.du.ac.in
10	श्री लखन लाल मीणा	सहायक प्रोफ़ेसर	lakhan.lal.meena@dcac.du.ac.in
11	सुश्री सारिका सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	sarikasingh005@rediffmail.com

पत्रकारिता विभाग

पत्रकारिता विभाग समसामयिक और मीडिया उद्योग प्रासंगिक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि उत्कृष्टता और ज्ञान के लक्ष्यों के साथ हमारे छात्रों को मीडिया उद्योग और शिक्षा के बीच एक इंटरफेस मिले। प्रतिष्ठित मीडिया हस्तियों और प्रसिद्ध पत्रकारों की समृद्ध सलाह विभाग की एक नियमित विशेषता है जो हमारे छात्रों के ज्ञान को और धार देती है । पत्रकारिता, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है, सृजनात्मक रूप से नागरिकता को समझाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मीडिया संस्थानों के उदय और संबंधित सांस्कृतिक परिवर्तनों ने हमें मीडिया संस्थानों के परिवर्तनात्मक प्रभाव को दिखाया है। इसका अर्थ है कि भविष्य के पत्रकारों और मीडिया प्रशासकों को केवल व्यावसायिकता के तकनीकी पहलुओं में प्रशिक्षित करना काफ़ी नहीं है, बल्कि वे पत्रकारिता की नैतिकता के साथ साथ सम्बंधित राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक संदर्भों के प्रति भी संवेदनशील हों। हमारी फैकल्टी छात्रों को समकालीन मुद्दों पर एक सूक्ष्म और समग्र दृष्टिकोन विकसित करने के लिए प्रशिक्षित करती है और पत्रकारिता प्रशासन में नैतिक मुद्दों पर संवेदनशील बनाती है। जिसमें विचारशीलता और क्रटिकल सोच की क्षमता के रूप में छात्रों को प्रशिक्षित किया जाता है। प्रकाशन विज्ञापन, डिजिटल मार्केटिंग और सार्वजनिक संबंध के क्षेत्र में नवीनतम चर्चाओं के लिए आमंत्रित करने से हमारे छात्र पेशेवरों के रूप में तैयार होते हैं। नई मीडिया तकनीकों के आगमन के साथ आए नवीन तकनीक और कौशल की समझ की समझ सार्वजनिक क्षेत्र के नये प्लेटफ़ॉर्मों में संभावनाओं की वृद्धि करती है। वे संबंधित और सांस्कृतिक अध्ययन से उत्पन्न सैद्धांतिक और दार्शनिक मुद्दों के साथ संलग्न होते हैं और निबंध और टर्म पेपर के रूप में उन पर विचार करते हैं। छात्र पत्रकारिता, विज्ञापन, सार्वजनिक संबंध, डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग और अकादमिक शोध के विभिन्न क्षेत्रों में लगे हैं। उन्होंने अकादमिक छायाचित्रकारी का उत्पादन किया है, जिसमें उनके फील्ड कार्य के अंतर्गत अन्वेषणों से प्राप्त जानकारी शामिल है, जो समकालीन मीडिया और पत्रकारिता की चुनौतियों के बारे में है। ये सभी किसी भी क्षेत्र में प्रभावी संचारक के रूप में उन्हें आकार देने के लिए योगदान करते हैं। विभाग गर्व करता है अपने पुराने छात्रों पर, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण सरकारी पद पर हैं। हमारे अनुभवी और पेशेवर सदस्यों ने पत्रकारिता की नैतिकता और उत्कृष्टता का आधार रखा है और हमारे छात्रों को नवाचारी गतिविधियों में प्रशिक्षित किया है। पत्रकारिता विभाग हर साल इंद्रप्रस्थ डायलॉग के आनुष्ठानिक उत्सव का आयोजन करता है और इसके अलावा विभाग के छात्रों द्वारा प्रकाशित वार्षिक समाचारपत्रिका भी आयोजित की जाती है।

हर साल हम पत्रकारों, मीडिया व्यक्तित्वों, विद्वानों और अकादमिकियों को विभाग कक्षा में समृद्ध और विविध वर्णनात्मक और विविध भाषणों में संलग्न करते हैं। विभाग के शैक्षिक परिणाम हमेशा असाधारण रहे हैं, जिसमें हमारे छात्र उच्चतम स्तर की उत्कृष्टता, कठिनाइयों को उठाने और समर्पण के लिए नए मानक स्थापित करते हैं।

डॉ. देवेंद्र भारद्वाज

संकाय सदस्य

1	प्रो. तरजीत सभरवाल	प्रोफ़ेसर	tsabharwal@dcac.du.ac.in
2	डॉ. देवेंद्र भारद्वाज	सहायक प्रोफ़ेसर	devender.bhardwaj@dcac.du.ac.in
3	डॉ. आकृति कोहली	सहायक प्रोफ़ेसर	aakriti.kohli@dcac.du.ac.in
4	डॉ. नेहा जिंगला	सहायक प्रोफ़ेसर	neha.jingala@dcac.du.ac.in
5	डॉ. अमरेंद्र कुमार आर्य	सहायक प्रोफ़ेसर	amarendra.aarya@dcac.du.ac.in
6	डॉ. पल्लव पाठक	सहायक प्रोफ़ेसर	pallav.pathak@dcac.du.ac.in

गणित विभाग

गणित सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है जिसमे कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, प्रबंधन और इसी तरह के संबद्ध क्षेत्रों में विभिन्न अनुप्रयोग मिलते हैं। गणित में बीए (प्रोग्राम) एक विशेष पाठ्यक्रम है जो छात्र को गणित के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे कैलकुलस, बीजगणित, विश्लेषणात्मक ज्यामिति, विश्लेषण और सांख्यिकी में महत्वपूर्ण तकनीकों को लागू करने के लिए प्रशिक्षित करता है। इसके अलावा, छात्र CAS, MATHEMATICA और LATEX जैसे सॉफ़्टवेयर का उपयोग करना सीखता है, जिनकी व्यापक प्रयोज्यता है। इस प्रकार, छात्रों में तार्किक तर्क, समस्या-समाधान कौशल के अपरिहार्य कौशल विकसित होते हैं जो उनके भविष्य के कैरियर की संभावनाओं के लिए उपयोगी साबित होते हैं। यह डिग्री विभिन्न विषयों में उच्च अध्ययन के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है, साथ ही छात्रों को विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता करती है। इस प्रकार यह कार्यक्रम छात्रों को जीवन में विभिन्न अवसरों के लिए तैयार होने में मदद करता है और साथ ही जीवन मैं विश्लेषण और आलोचनात्मक तर्क कौशल प्रदान करता है। गणित द क्वीन आफ सांइस ने हाल के वर्षों में प्रमुखता हासिल कर ली है और अध्ययन और अनुसंधान का कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं छोड़ा गणित का उपयोग दुनिया भर में प्राकृतिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, वित्त और सामाजिक विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में एक आवश्यक उपकरण के रूप में किया जाता है। गणित का अध्ययन न केवल इसके अनुशासनात्मक दायरे में विभिन्न विषयों का ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को विभिन्न अन्य क्षेत्रों में आवश्यक कौशल विकसित करने में भी मदद करता है। एक प्रोफेसर के समृद्ध अनुभव और दो सहायक प्रोफेसरों की युवा गतिशीलता के साथ, विभाग का लक्ष्य प्रत्येक छात्र को पर्याप्त सैद्धांतिक और अनुप्रयोग-आधारित ज्ञान के साथ-साथ कंप्यूटर-उन्मुख मेथमेटिकल टूल्स के व्यावहारिक ज्ञान के साथ हार्ड-कोर गणित की व्यापक समझ प्रदान करना है। शिक्षकों के समर्पित प्रयासों और निरंतर प्रेरणा से उल्लेखनीय रूप से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए हैं। विभिन्न पेपरों में छात्रों ने 100% और अन्य में 90% से अधिक अंक हासिल किए हैं। विभाग छात्रों के साथ विभिन्न स्नातक अनुशासन-उन्मुख/अंतःविषय अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल है। यह छात्रों को शोधकर्ता के रूप में विकसित होने में मदद करता है और उन्हें रचनात्मक और प्रभावी तरीकों से अपने दिमाग का उपयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम का स्कोप

छात्र न केवल शैक्षणिक रूप से आगे बढ़ते हैं, बल्कि विभाग छात्रों को भविष्य के मजबूत, आत्मविश्वासी और सक्षम नेता बनने में भी मदद करने का प्रयास करता है। हर साल छात्रों के लिए अंतर-कॉलेज पेपर पढ़ने की प्रतियोगिताएं, गणितीय प्रश्नोत्तरी, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। कई विद्यार्थियों ने दूसरे कॉलेजों में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर कॉलेज का नाम रोशन किया है। एक स्नातक छात्र के साथ बी.ए. (ऑपरेशनल रिसर्च) जैसे शैक्षणिक पाठ्यक्रम आगे बढ़ा सकते हैं। और पी.जी. पाठ्यक्रम. इस प्रकार, वे अनुसंधान या शिक्षण के क्षेत्र में एक आशाजनक करियर पा सकते हैं। छात्र बी.ए. (ऑपरेशनल रिसर्च) के बाद बी.एड. और पी.जी.पाठ्यक्रम में प्रवेश् लेकर अनुसंधान या शिक्षण के क्षेत्र में एक आशाजनक करियर पा सकते हैं। छात्र एमसीए या एमबीए जैसे प्रोफेशनल कोर्स भी कर सकते हैं। बी 0 ए। (प्रोगाम), बी.ए. (ऑपरेशनल रिसर्च) के लिए MCA सबसे अच्छा विकल्प है । जो छात्र आईटी क्षेत्र और एमबीए में अपना करियर बनाना चाहते हैं और जो लोग प्रबंधन के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं । छात्र एक्चुरियल सांइस , बैंकिंग और सिविल सेवाओं जैसे रास्ते भी तलाश सकते हैं।

-डॉ. इंदर पाल सिंह

संकाय सदस्य

1	प्रो. अनुराधा गुप्ता	प्रोफ़ेसर	agupta@dcac.du,ac.in
2	डॉ. इंदर पाल सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	indarpal.singh@dcac.du.ac.in
3	श्री सुमित	सहायक प्रोफ़ेसर	sumit@dcac.du.ac.in

शारीरिक शिक्षा विभाग

डीसीएसी में खेल-कूद गतिविधियाँ सिर्फ एक शौक नहीं हैं, वे जीवन का एक तरीका हैं! कॉलेज खेल की शक्ति में विश्वास करता है जो व्यक्ति में अनुशासन, टीमवर्क, नेतृत्व और सहनशीलता जैसे गुणों को बढ़ाने में सक्षम बनाती है, साथ ही एक स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करती है। हमारी सुविधाएँ, विशेषज्ञ प्रशिक्षक, और विभिन्न खेल विकल्प आपके इंतजार में हैं। हमारे कॉलेज में एथलेटिक्स, बेसबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, जूडो, शूटिंग, ताकवांदो, वॉलीबॉल टीमें हैं। विभिन्न खेल कार्यक्रम और टूर्नामेंट आपको अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने और स्थायी यादें बनाने के अवसर प्रदान करते हैं।

- डॉ. मनोज राठी

संकाय सदस्य

डॉ. मनोज राठी	सहायक प्रोफ़ेसर	manoj.rathi@dcac.du.ac.in

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग अनुभवी और युवा शिक्षकों का समूह है जो शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। इसलिए विभाग का दृष्टिकोण हमेशा यह रहा है कि युवा मानस को बेहतर रूप से राजनीतिक विचार के विभिन्न मोड़ों को समझने में सक्षम बनाया जाए। इस तरह, वे राजनीतिक जीवन या देश और विश्व के सामूहिक मामलों की आवश्यकताओं का सम्मान कर सकते हैं और इसे प्रश्नांकित कर सकते हैं। छात्रों को तात्कालिक और स्वतंत्र रूप से सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जो बेशक, दूसरों के प्रति सहिष्णुता और राष्ट्र के प्रति चिंता के साथ किया जाता है, जो बेसंदेह उन्हें सक्रिय और ज़िम्मेदार नागरिक बनाता है। वास्तव में, विभाग के छात्र एक समाचार पत्रिका "कॉन्सिएंसिया" प्रकाशित करते हैं, जिसमें राजनीतिक जीवन के निर्धारित विषयों पर लेख, पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, कविता, व्यंग्यात्मक चित्रकारी और तस्वीरें शामिल होती हैं, जो एक तरीके से विभाग द्वारा दिए जाने वाली शैक्षणिक प्रशिक्षण के उदाहरण हैं। विभाग द्वारा वार्षिक रूप से "डिसेंसियो" पाठ्येतर गतिविधियों का एक वार्षिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। बिना कहे समझा जा सकता है कि राजनीति विज्ञान सिविल सेवाओं के लिए- केंद्रीय और राज्य दोनों, और बढ़ती हुई निजी और गैर-लाभदायक संगठनों में विभिन्न करियर के लिए सबसे अधिक चाहे जाने वाले विषयों में से एक है। विषय के रूप में यह छात्रों को स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षण, शोध, अंतरराष्ट्रीय शासन, मास मीडिया, प्रबंधन आदि में करियर चुनने की योग्यता भी देता है।

-सुश्री नलिनी गोयल

संकाय सदस्य

1	प्रो. एस.के. पांडेय	प्रोफ़ेसर	spandey@dcac.du.ac.in
2	सुश्री नलिनी गोयल	सहायक प्रोफ़ेसर	nalini.goyal@dcac.du.ac.in
3	डॉ. राजेश कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	rkumar@dcac.du.ac.in
4	डॉ. मुकेश बागोरिया	सहायक प्रोफ़ेसर	mbagoria@dcac.du.ac.in
5	डॉ. टी. गोपाल कृष्णा यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	tgkrishna.yadab@dcac.du.ac.in
6	श्री कृष्ण चिचूआन	सहायक प्रोफ़ेसर	krushna.chichuan@dcac.du.ac.in
7	श्री सुधांशु कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	shudhanshu.kumar@dcac.du.ac.in
8	डॉ. विजय कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	vijay.kumar@dcac.du.ac.in
9	डॉ. शशि कांत	सहायक प्रोफ़ेसर	shashikant@dcac.du.ac.in
10	सुश्री आशना मोंगा	सहायक प्रोफ़ेसर	ashna.monga@dcac.du.ac.in
11	डॉ. कंचन शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	kanchan.sharma@dcac.du.ac.in
12	श्री शशांक तिवारी	सहायक प्रोफ़ेसर	shashank.tiwari@dcac.du.ac.in
13	डॉ. सुधीर कुमार परिदा	सहायक प्रोफ़ेसर	sudhir.parida@dcac.du.ac.in

स्पेनिश विभाग

स्पेनिश 20 देशों की आधिकारिक भाषा है और संयुक्त राज्य अमेरिका की दूसरी भाषा है। यह संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं में से एक भी है। इतने व्यापक रूप से बोली जाने के कारण, स्पेनिश के ज्ञान से नौकरी के अवसर मिलते हैं और यह किसी भी पेशे में एक अतिरिक्त लाभ है। स्पेनिश में बैचलर डिग्री कोर्स में शामिल होने वाले छात्र नवीनतम स्तर से शुरू करते हैं, जहां भाषा के किसी भी पूर्व ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है और सरल साहित्यिक ग्रंथों और अनुवाद के अध्ययन के साथ साथ उन्नत स्तर पर व्याकरण का अध्ययन किया जाता है। उन्हें भी विभिन्न स्पेनिश भाषी देशों की संस्कृति का ज्ञान होता है। साथ ही, छात्र बिजनेस स्पेनिश, पर्यटन आदि जैसे वैकल्पिक पेपर्स को भी चुन सकते हैं। बैचलर डिग्री के पूरा होने के बाद, वे विषय में एमए डिग्री कोर्स के एंट्रेंस परीक्षाओं के लिए पात्र होते हैं या वे अपने ज्ञान का पेशेवर उपयोग कर सकते हैं।

- सुश्री नीरज सक्सेना

संकाय सदस्य

संकाय सदस्य	सहायक प्रोफ़ेसर	nsaxena@dcac.du.ac.in

पुस्तकालय

कॉलेज की लाइब्रेरी किताबों के भंडार से कहीं अधिक है; यह हमारे शैक्षणिक समुदाय का हृदय है और हमारे शैक्षिक वातावरण की आधारशिला है। यह छात्रों और शिक्षकों की सीखने, सिखाने और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करता है और उन्हें बढ़ाता है। पुस्तकालय कॉलेज समुदाय की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए संसाधनों और सेवाओं का खजाना प्रदान करता है। डीसीएसी की लाइब्रेरी में व्यापक रूप से पुस्तकों, पत्रिकाओं, इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, पत्रकारिता के छात्रों की अनुसंधान परियोजनाओं, पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र, बुक बैंक, बाउंड-वॉल्यूम जर्नल, यूपीएससी प्रतियोगिता संग्रह, सीडी/डीवीडी का विशाल संग्रह उपलब्ध है। संग्रह और डिजिटल संसाधनों की एक समृद्ध श्रृंखला। लाइब्रेरी कई ऑनलाइन डेटाबेस, अकादमिक ई-जर्नल्स, ई-पुस्तकें और मल्टीमीडिया सामग्री तक पहुंच प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों और संकाय सदस्यों को कॉलेज की वेबसाइट, दिल्ली विश्वविद्यालय के नेटवर्क और कॉलेज डोमेन के तहत लाइब्रेरी होमपेज के माध्यम से अपनी उंगलियों पर नवीनतम जानकारी मिलती है। साथ ही एन-लिस्ट सदस्यता। पुस्तकालय पूरी तरह से वातानुकूलित, आईटी-सक्षम और सीसीटीवी निगरानी में है। इसमें छात्रों और शिक्षकों के लिए अलग-अलग वाचनालय हैं। लाइब्रेरी का होमपेज (https://dcac.du.ac.in/home/library) लाइब्रेरी नियमों, सेवाओं, कर्मचारियों, टाईमिंग, वेब ओपेक की जानकारी प्रदान करता है। लाइब्रेरी पूरी तरह से स्वचालित है, जो क्लाउड सर्वर पर वेब-ओपीएसी सुविधाओं के साथ कोहा-ओपन-सोर्स एकीकृत सॉफ्टवेयर का उपयोग करती है। यह कुशल पुस्तकालय प्रबंधन के लिए आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) तकनीक का भी उपयोग करता है। इसमें आरएफआईडी-सक्षम लाइब्रेरी कार्ड, त्वरित और आसान पुस्तक उधार लेने और वापस करने के लिए एक स्व-परिसंचरण डेस्क और प्रत्येक पुस्तक लेनदेन के लिए ईमेल सूचनाएं शामिल हैं। लाइब्रेरी ने संरक्षकों की संख्या में अंदर/बाहर आने और डी-स्पेस (डिजिटल रिपॉजिटरी सॉफ्टवेयर) को बनाए रखने के लिए एक डिजिटल एंट्री रीडर प्रणाली लागू की है, जो एक ऐसा मंच है जो अनुसंधान आउटपुट, विद्वानों के प्रकाशनों, पुस्तकालय संग्रहों और बहुत कुछ तक पहुंच प्रदान करता है। कॉलेज पुस्तकालय दृष्टि/शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों और शिक्षकों के लिए ब्रेल किताबें, कंप्यूटर सिस्टम, ऑडियो सामग्री और JAWS 13, एक नोटबुक कंप्यूटर और एक लेक्स पोर्टेबल कैमरा रीडिंग सिस्टम जैसे विशेष सॉफ्टवेयर सहित सुविधाएं प्रदान करता है। लाइब्रेरी में एक ई-संसाधन कक्ष भी है जो एन-लिस्ट और डीयूएलएस जैसे विभिन्न लाइब्रेरी सब्सक्रिप्शन तक पहुंचने के लिए लैन-कनेक्टेड डेस्कटॉप कंप्यूटर के साथ वाई-फाई और इंटरनेट एक्सेस प्रदान करता है। पुस्तकालय द्वारा आयोजित वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी साहित्यिक विविधता और शैक्षणिक संसाधनों को प्रदर्शित करती है, जो छात्रों के सीखने के अनुभवों को समृद्ध करती है। डीसीएसी पुस्तकालय स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है और अपने संचालन में पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को शामिल करता है। यह कागज की खपत को कम करने के लिए डिजिटल संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देता है और ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों को लागू करता है।

-डॉ. पूनम रानी

डॉ. पूनम रानी	Librarian	librarian@dcac.du.ac.in

कॉलेज की समितियां

एससी / एसटी सेल
प्रो. बिजया ठाकुर
मोबाइल- 9540024039
(bthakur@dcac.du.ac.in)

ओबीसी सेल
श्री अमित यादव
मोबाइल-7042116224
(amit.yadav@dcac.du.ac.in)

उत्तर पूर्व छात्र प्रकोष्ठ
श्री जेरेमिया पामे – संयोजक
मोबाइल- 9953029135
(jpame@dcac.du.ac.in)

प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (जम्मू और कश्मीर के छात्र)
डॉ. कृष्ण लाल ढींगरा - नोडल अधिकारी
मोबाइल-7838662150
(kldingra@dcac.du.ac.in)

समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी)
डॉ. के. सुरेश – संयोजक
मोबाइल-9818157350
(skumar@dcac.du.ac.in)

एनसीसी
कैप्टन भूपिंदर – प्रभारी
(bsjaryal@dcac.du.ac.in)

एनएसएस
डॉ. ज्योत्सना पाठक- प्रोग्राम अधिकारी
(jyotsna.pathak@dcac.du.ac.in)

आंतरिक शिकायत समिति
प्रो. बिजया ठाकुर - पीठासीन अधिकारी
(bthakur@dcac.du.ac.in)

शैक्षणिक सुधार समिति
प्रो. राजीव चौपड़ा – चेयरमेन
(principaldcac@gmail.com)

डीसीएसी में परामर्श सुविधा

कॉलेज में मंगलवार और गुरुवार को व्यक्तिगत रूप से सुबह 10 बजे से 11 बजे के बीच कक्ष 6 में परामर्श के लिए एक परामर्शदाता भी उपलब्ध है।

सुश्री ज्योत्सना मितल
मोबाइल: 9717009272
ईमेल: jomital@yahoo.com

छात्रों की सोसायटियाँ एवं उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

एनएसएस की डीसीएसी इकाई युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत गठित की गई है। एनएसएस का नारा, "मैं नहीं, बल्कि आप", सभी सामुदायिक सेवा गतिविधियों का आधार है। पूरे वर्ष एनएसएस ने महत्वपूर्ण आयोजनों का आयोजन किया, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:
विश्व रक्त दान दिवस 14 जून, 2023 को डीसीएसी के एनएसएस विभाग द्वारा मनाया गया, जिसमें रक्त दान के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कारगिल विजय दिवस 26 जुलाई, 2023 को कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और बलिदान को सम्मानित करने के लिए मनाया गया।12 अगस्त, 2023 को एनएसएस छात्रों ने एक आभासी एंटी-रैगिंग जागरूकता वार्ता का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य शैक्षिक संस्थानों में रैगिंग को रोकने के लिए जागरूकता और शिक्षा प्रदान करना था। हर घर तिरंगा अभियान 13 से 15 अगस्त, 2023 तक आयोजित किया गया, जिसमें घरों में तिरंगा प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जो राष्ट्रीय गौरव और एकता का प्रदर्शन था। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2023 को देशभक्ति के साथ मनाया गया, जिसमें शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ, छात्र, प्रिंसिपल प्रोफेसर राजीव चोपड़ा और लेफ्टिनेंट जनरल चतुर्वेदी (पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम) सहित विभिन्न गतिविधियों जैसे कि वसुधा वंदन, शिलाफलकम का समर्पण, वीरों का वंदन, शपथ ग्रहण समारोह और मिट्टी एंथम का गायन शामिल था। 21 अगस्त, 2023 को "भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन और उसके परिणामों पर प्रतिबिंब" विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें विभाजन के ऐतिहासिक और सामाजिक प्रभावों पर चर्चा की गई। महिला समानता दिवस 26 अगस्त, 2023 को महिलाओं की ताकत और उपलब्धियों को सम्मानित करने और लिंग समानता को बढ़ावा देने के लिए मनाया गया। शिक्षक दिवस 5 सितंबर, 2023 को प्रोजेक्ट तंजील के बच्चों के लिए एक ड्रॉइंग प्रतियोगिता के साथ मनाया गया, जिसमें शिक्षकों के योगदान को मनाया गया। हिंदी दिवस 14 सितंबर, 2023 को हिंदी भाषा और इसके सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देने के लिए मनाया गया। 1 अक्टूबर, 2023 को महात्मा गांधी के आगामी जन्मदिन के सम्मान में एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया, जिसके बाद 10 अक्टूबर, 2023 को केएसजी इंडिया के साथ यूपीएससी करियर पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। 12 अक्टूबर, 2023 को एनएसएस दिवस के अवसर पर एक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें श्रीमती सोनल गोयल, आईएएस, मुख्य अतिथि के रूप में विभिन्न सामाजिक सेवा पहलों पर चर्चा की। खादी महोत्सव 16 अक्टूबर, 2023 को तनज़ील किड्स के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता के साथ मनाया गया, जिसमें खादी और पारंपरिक शिल्पों के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। 27-31 अक्टूबर, 2023 तक एनएसएस ने पेहचान एनजीओ का समर्थन करने के लिए कपड़ा दान अभियान शुरू किया, जो जरूरतमंद लोगों को कपड़ा दान से मदद करता है। राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर, 2023 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता में उनके योगदान के सम्मान में मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 30 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2023 तक सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए मनाया गया। 15 नवंबर, 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना ने जन जातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी, उनके विरासत और योगदान का जश्न मनाया। बाल दिवस 23 नवंबर, 2023 को प्रोजेक्ट तंज़ील के बच्चों के साथ मनाया गया, जिसमें विभिन्न मनोरंजक और शैक्षिक गतिविधियाँ शामिल थीं। संविधान दिवस 26 नवंबर, 2023 को प्रस्तावना पढ़ने, संविधान क्विज़ और संविधान के महत्व पर वेबिनार के साथ मनाया गया। 26 दिसंबर, 2023 को स्वयंसेवकों ने भारत मंदपम प्रगति मैदान में प्रधानमंत्री के संबोधन में भाग लिया, जिसमें वीर बाल दिवस के अवसर पर युवा शहीदों की बहादुरी को श्रद्धांजलि दी गई। डॉ. जे.एस. अरोड़ा ने 24 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय थैलेसीमिया कल्याण सोसायटी के सहयोग से थैलेसीमिया पर एक विशेष वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें बीमारी के बारे में जागरूकता और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रोजेक्ट क्लीन एंड ग्रीन ने 2 फरवरी, 2024 को पर्यावरण जागरूकता और संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए वेटलैंड संरक्षण पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें श्रीमती दीपिका शर्मा ने भाग लिया। डीसीएसी के एनएसएस यूनिट और ईएलसी क्लब ने विभिन्न मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें 27 जनवरी, 2024 को ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण शिविर,

A21 फरवरी, 2024 को मतदाता जागरूकता अभियान और फरवरी 2024 में जीसस एंड मैरी कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज और एआरएसडी कॉलेज जैसे कॉलेजों में कई मतदाता पंजीकरण अभियान शामिल थे। 4 मार्च, 2024 को मतदान की आवश्यकता पर जोर देने के लिए एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिक भागीदारी को प्रेरित करने के लिए शक्तिशाली छवियों का प्रदर्शन किया गया। 6 मार्च, 2024 को एक मतदाता जागरूकता वार्ता आयोजित की गई, जिसके बाद 11-14 मार्च, 2024 तक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो मतदाता भागीदारी को शिक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए था। प्रोजेक्ट सेंसिटाइजेशन ने 3 मार्च, 2024 को विश्व वन्यजीव दिवस पर और 8 मार्च, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के सर्वाइकल कैंसर पर ऑनलाइन जागरूकता अभियान चलाया, जो महत्वपूर्ण स्वास्थ्य और पर्यावरण मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाता है। 9 मार्च, 2024 को राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान का दौरा आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को शैक्षिक और प्रेरक अनुभव प्रदान किया गया। 13 मार्च, 2024 को "मीडिया और चुनावों की कथा निर्माण" पर एक बहस प्रतियोगिता आयोजित की गई, जो चुनावों में मीडिया के प्रभाव पर महत्वपूर्ण सोच और चर्चा को प्रोत्साहित करती है। होली के अवसर पर 23 मार्च, 2024 को बच्चों के लिए एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जो बच्चों के बीच रचनात्मकता और सांस्कृतिक उत्सव को बढ़ावा देती है। 30 मार्च, 2024 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पीएचडी स्कॉलर श्री चंदन दास की विशेषता वाला एक वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें शहरी वातावरण में जैव विविधता के महत्व पर चर्चा की गई। "एक समझदार मतदाता कैसे बनें" पर भी 30 मार्च, 2024 को एक ऑनलाइन जागरूकता अभियान आयोजित किया गया, जो जिम्मेदार मतदान प्रथाओं पर मूल्यवान जानकारी प्रदान करता है। एनएसएस राष्ट्रीय एकता शिविर 12-18 फरवरी, 2024 तक आयोजित किया गया, जो विविध पृष्ठभूमि के छात्रों के बीच एकता और एकीकरण को बढ़ावा देता है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

एनसीसी, डीसीएसी ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण गतिविधियों में भाग लिया:

28 जनवरी, 2023 को एनसीसी, डीसीएसी ने कारियप्पा परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री रैली में भाग लिया, जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता और अनुशासन का प्रदर्शन किया। डीसीएसी एनसीसी के नौ कैडेट्स ने स्वतंत्रता दिवस शिविर में भाग लिया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक विरासत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया। कैडेट्स के वाक्पटुता कौशल और वैश्विक जागरूकता को बढ़ाने के लिए, "रक्षा और सहयोग में रणनीतियों" पर एक जी20 डेमो शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा पहल के तहत, डीसीएसी एनसीसी ने कई गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें कचरा अलगाव को बढ़ावा देने के लिए एक जागरूकता अभियान और "प्लास्टिक को ना कहें", "भोजन की बर्बादी को ना कहें" जैसी पहलें शामिल थीं। गांधी जयंती पर, 7 दिल्ली बटालियन के चार कैडेट्स ने मायापुरी में गांधी पार्क में 'मूर्ति साफ़ करने की गतिविधि' में भाग लिया, जिसमें उन्होंने महात्मा गांधी की विरासत को सेवा और स्वच्छता के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। 1 अक्टूबर, 2023 को डीसीएसी के कैडेट्स ने एनसीसी भवन रोहिणी में एक स्वच्छता अभियान में भाग लिया, जिसका नेतृत्व सीनियर अंडर ऑफिसर अजय पांडे ने किया, जिसमें उन्होंने स्वच्छता और स्वच्छता बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। 7 दिल्ली बटालियन का प्रतिनिधित्व करते हुए, कैडेट्स ने 29 सितंबर, 2023 को एनसीसी समूह 'बी' मुख्यालय कीर्ति नगर में अंतर-इकाई स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसका विषय "कचरा से धन" था, जिसमें उन्होंने कचरा प्रबंधन पर अपने नवाचारी विचारों को प्रदर्शित किया। 23 अक्टूबर, 2023 को डीसीएसी ने सेवानिवृत्त कर्नल राहुल सेठी का स्वागत किया, जो डीसीएसी एनसीसी के एक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र हैं, जिन्होंने रक्षा के क्षेत्र में अपने अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा किए, जिससे कैडेट्स को उनके अनुभवों और ज्ञान से प्रेरित किया गया। 20 से 27 नवंबर, 2023 तक, डीसीएसी कैडेट्स ने राजपीपला में सरदार पटेल नर्मदा ट्रेक-1 शिविर में भाग लिया, जिसकी मेजबानी एनसीसी ग्रुप हेडक्वार्टर वडोदरा ने की थी, जिसमें पांच निदेशालयों के 505 कैडेट्स के साथ एकता और प्रकृति की भव्यता की सराहना को बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, 18 से 27 नवंबर, 2023 तक, डीसीएसी कैडेट्स ने कोल्हापुर, महाराष्ट्र में शिवाजी ट्रेल ट्रेक पर निकले, जिसमें उन्होंने क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत में खुद को डूबो दिया। कैडेट्स ने आगरा में आनंद इंजीनियरिंग कॉलेज में एडवांस लीडरशिप कैंप (एएलसी) IV 2023 में भाग लिया, जिसमें उन्होंने अपने नेतृत्व कौशल को निखारा और प्रभावी नेतृत्व के सिद्धांतों को सीखा। 1 से 12 दिसंबर, 2023 तक, नौ डीसीएसी एनसीसी कैडेट्स ने नई दिल्ली में नारायणा विहार में सेना अटैचमेंट कैंप में भाग लिया, जिसका संयुक्त रूप से 19 बिहार रेजिमेंट और 7 दिल्ली बटालियन द्वारा आयोजन किया गया था, जिसमें उन्होंने सैन्य जीवन और प्रशिक्षण का पहला अनुभव प्राप्त किया। 16 दिसंबर, 2023 को डीजी एनसीसी, नई दिल्ली में वेटरन्स इंडिया द्वारा विजय दिवस (विजय दिवस) मनाया गया, जिसमें 7 दिल्ली बटालियन का प्रतिनिधित्व करने वाले आठ डीसीएसी कैडेट्स ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और बलिदान को सम्मानित किया। 2024 में, एनसीसी, डीसीएसी ने असम कृषि विश्वविद्यालय में 9 असम बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया, जिसमें 1 से 12 फरवरी तक कैडेट्स के बीच राष्ट्रीय एकता और एकीकरण को बढ़ावा दिया गया। एसएसबी पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें एक्स-जेयूओ रमन ने कैडेट्स को एसएसबी तैयारी में मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे उन्हें सेवा चयन बोर्ड परीक्षाओं के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और रणनीतियों प्रदान की गईं। ये आयोजन डीसीएसी एनसीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं, जो कैडेट्स के बीच नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देता है, जो उनके समग्र विकास में योगदान करता है और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है।

FLYING OFFICER AKHILESH GOSWAMI
COMMISSIONED FROM AFA, DUNDIGUL (HYDERABAD)

EX-JUO RONIT CHANDEL
Recommended from 5AFSB Guwahati

उत्तर-पूर्व छात्र सेल

उत्तर-पूर्व छात्र सेल डीसीएसी के उन छात्रों की शिकायतों को दूर करता है जो उत्तर-पूर्व भारत से हैं। यह उत्तर-पूर्व और भारत के अन्य हिस्सों के छात्रों के बीच समझ की भावना को बढ़ावा देता है। यह छात्रों को उत्तर-पूर्व भारत की विभिन्न संस्कृतियों और पहलुओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह अन्य छात्रों को उत्तर-पूर्व के बारे में जानकारी प्रदान करता है जो शोध या परियोजनाओं पर काम करने में रुचि रखते हैं। यह नियमित रूप से उत्तर-पूर्व के छात्रों और प्रिंसिपल, उत्तर-पूर्व और भारत के अन्य हिस्सों के छात्रों के बीच बातचीत को बढ़ावा देता है और सांस्कृतिक अंतरों के साथ तालमेल बैठाने में कठिनाइयों का सामना करने वाले छात्रों को परामर्श प्रदान करता है।

एनएक्टस

एनएक्टस डीसीएसी, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में एक गतिशील और सामाजिक रूप से जागरूक छात्र संगठन, ने 2022-23 के शैक्षणिक वर्ष को समुदाय में सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए व्यापक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए समर्पित किया, जो सामाजिक उद्यमिता और स्थायी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

उनकी उल्लेखनीय परियोजनाओं में से एक, "ज़रात मार्ट," एक किसान बाजार पहल थी जिसने स्थानीय किसानों को उपभोक्ताओं के साथ सीधे जोड़ा, ग्रामीण-शहरी संबंधों को मजबूत किया और सीधे जुड़ाव और निष्पक्ष व्यापार के माध्यम से टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा दिया।

दीपाल्या एनजीओ के सहयोग से, इनेक्ट्स डीसीएसी ने शिक्षा और साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए एक पुस्तक दान अभियान का आयोजन किया, जिसमें वंचित समुदायों को शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने के लिए पुस्तकें एकत्रित और वितरित की गईं।

टीम ने विभिन्न कृषि स्थलों पर कई फील्ड विजिट किए, जिसमें रान्होला, धीचौन, आईएआरआई (भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान), जौंटी, टिकरी कलां, आजादपुर मंडी, कृषि विज्ञान केंद्र बागपत, मदनपुर खादर, कृषि विज्ञान केंद्र उजवा, और नोएडा में सरथक फाउंडेशन शामिल थे, जिससे टिकाऊ खेती के तरीकों में हाथों-हाथ सीखने और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि में सुविधा हुई।

अपने उद्यमी कौशल का प्रदर्शन करते हुए, इनेक्ट्स ने कई व्यवसाय योजना प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिसमें हंसराज कॉलेज, शिवाजी कॉलेज और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में जीत हासिल की, जो उनकी नवाचारी सोच और सामाजिक उद्यमिता के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण को उजागर करता है।

उनकी प्रतियोगिताओं में भागीदारी जैसे कि एसएसजीजीएससीसी में यूरेक्स'23, आर्यभट्ट इन्नोथॉन, जेएमआई में पिच इट परफेक्ट, रामजस में कल्पना, एसजीटीबी खालसा में नियंता, सीवीएस में एंट्रिक, मिरांडा हाउस में इंप्रेसा'24, एलएसआर में रेस टू रिवाइवल, लेडी इरविन में ई-स्प्री, एनएसयूटी में प्रारंभ, और एसजीजीएससीसी में एनविजन 24 में कई पुरस्कार मिले, जो उनकी उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और सफल होने की क्षमता को रेखांकित करता है

प्रकृति

प्राकृति, डीसीएसी की पर्यावरण सोसायटी, ने अकादमिक वर्ष के दौरान विभिन्न पहलों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें पर्यावरण स्थिरता और जागरूकता पर जोर दिया गया। एनएसएस के सहयोग से, प्राकृति ने 28 अगस्त 2023 को "मिशन लाइफ" (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) के बैनर तले एक पौधारोपण अभियान आयोजित किया, जिससे कॉलेज परिसर की हरियाली बढ़ी।

हरितमा-हंसराज कॉलेज की पर्यावरण सोसायटी द्वारा प्राकृति को उनके वार्षिक वाइल्डलाइफ फिएस्टा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जो 3-5 अक्टूबर 2023 से वाइल्डलाइफ संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

1 अक्टूबर 2023 को, प्राकृति ने नेताजी नगर पार्क, नई दिल्ली में स्वच्छता अभियान आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ मिलकर काम किया, जिससे समुदाय स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला।

पर्यावरण शिक्षा के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, प्राकृति ने 27 अक्टूबर 2023 को सुंदर नर्सरी में गोल्डन हाइव फाउंडेशन और सरकार सुंदर नर्सरी प्रबंधन ट्रस्ट के सहयोग से 'नो द बीज' शीर्षक से एक कार्यशाला आयोजित की।

सोसायटी ने एक पारिस्थितिक अनुकूल मोड़ के साथ दिवाली मनाई, जिसमें 8 नवंबर 2023 को दिवाली मेला आयोजित किया गया, जिससे टिकाऊ त्योहार प्रथाओं को प्रोत्साहित किया गया।

प्लुक टीवी और विंगिफाई फाउंडेशन के सहयोग से, प्राकृति ने 16 फरवरी 2024 को 'मोबाइल स्टोरीटेलिंग' पर एक दिवसीय बूट कैंप आयोजित किया, जिसमें प्रतिभागियों को पर्यावरण संबंधी कहानियों के लिए मोबाइल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए सशक्त बनाया गया।

प्राकृति ने 6 मार्च 2024 को अमृत उद्यान, राष्ट्रपति भवन और 14 मार्च 2024 को संजय वन में प्रकृति के साथ जुड़ने के लिए प्रतिभागियों के बीच एक संबंध बनाने के लिए प्रकृति की सैर का आयोजन किया।

सोसायटी ने, पर्यावरण अध्ययन विभाग और ग्रीन कमेटी के सहयोग से, 21 मार्च 2024 को "नेचर्स नैरेटिव्स- क्रॉनिकल्स ऑफ ह्यूमन-वाइल्डलाइफ एनकाउंटर्स" पर एक वेबिनार की मेजबानी की, जिसमें टेरी के एक पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता डॉ. अकारज्योति शोम द्वारा मानव-वाइल्डलाइफ इंटरएक्शन के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इन विविध गतिविधियों के माध्यम से, प्राकृति ने कॉलेज समुदाय और उसके बाहर पर्यावरण जागरूकता और टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए एक दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। कॉलेज की पर्यावरण सोसायटी की स्थापना 2009 में हुई थी और तब से यह पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा करने और इससे संबंधित मुद्दों के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सोसायटी "आप जब आये थे तब से पृथ्वी को बेहतर स्थान छोड़ने का प्रयास करें" की भावना के साथ काम करती है।

कैरियर विकास सेल

कैरियर विकास सेल (सीडीसी) ने छात्रों के बीच उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक वर्ष के दौरान कई प्रभावशाली आयोजनों और गतिविधियों का आयोजन किया। सीडीसी ने ई-समिट सीडीसी (व्यापार) का आयोजन किया, जो उनका फ्लैगशिप आयोजन था और छात्रों को अपने व्यवसायिक विचारों को संभावित निवेशकों के सामने प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे छात्रों के बीच उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा मिला।
ई-समिट के हिस्से के रूप में, अत्यधिक प्रतीक्षित स्पीकर सेशन "बिजनेस की बात" में समर्थ भारत करियर डेवलपमेंट सेंटर के श्री भरत भूषण, अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स के सीएमडी श्री रमेश अग्रवाल और बीकानेरवाला फूड्स के निदेशक श्री नवरतन अग्रवाल जैसे प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया, जिन्होंने उद्यमी बनने की इच्छा रखने वालों के साथ अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा किए।

अंतर्राष्ट्रीय उद्यमियों के दिन के उपलक्ष्य में, सीडीसी ने 21 अगस्त 2023 को ऑनलाइन स्पीकर सेशन का आयोजन किया, जहां डीसीएसी के कॉमर्स विभाग के प्रोफेसर नीरू कपूर ने छात्रों को आज की दुनिया में उद्यमिता के महत्व और दायरे के बारे में जानकारी दी, जिससे कॉलेज समुदाय के भीतर उद्यमी भावना को बढ़ावा मिला।

अक्टूबर 2023 में, सीडीसी ने श्री शुभम चावड़िया द्वारा नेतृत्व किया गया एक व्यापक पांच दिवसीय कार्यशाला "डिजाइन, थिंकिंग एंड इनोवेशन" का आयोजन किया, जिसने उद्यमिता में सहानुभूति के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को विचारोत्तेजकता, टीमवर्क, डिजिटल प्रोटोटाइपिंग और 3 डी मॉडलिंग के विभिन्न चरणों से गुजरने के लिए मार्गदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप पांच छात्र समूहों ने प्रिंसिपल के सामने अपने स्टार्टअप विचार प्रस्तुत किए और मूल्यवान प्रतिक्रिया और प्रोत्साहन प्राप्त किया।

सीडीसी ने माता सुंदरी कॉलेज फॉर वुमन के ई-सेल उद्यम के साथ मिलकर कोनेक्सस का आयोजन किया, जो 12-13 फरवरी को आयोजित एक दो दिवसीय उत्सव था, जिसने छात्रों, उद्यमियों और उद्योग के नेताओं को उद्यमिता और नवाचार का जश्न मनाने के लिए एक साथ लाया, जिसमें पैनल चर्चा, उद्यमी प्रदर्शनियों और आदित्य अरोड़ा, फाद नेटवर्किंग के सीईओ, निजाम के श्री कबीर चुग और स्विग्गी के उपाध्यक्ष और डाइनआउट के संस्थापक श्री साहिल जैन जैसे प्रतिष्ठित अतिथियों द्वारा प्रेरक बातें शामिल थीं। डीसीएसी में सीडीसी द्वारा इन पहलों से उद्यमी प्रतिभा को पोषित करने और कॉलेज समुदाय के भीतर एक गतिशील स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया है, जो छात्रों को अपने कौशल विकसित करने, उद्योग के नेताओं के साथ नेटवर्क बनाने और उद्यमी परिदृश्य में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए मूल्यवान अवसर प्रदान करता है।

ब्रॉडवे - डीसीएसी का ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के छात्रों को कॉर्पोरेट दुनिया की अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनियों और सामाजिक क्षेत्र के प्रमुख संगठनों के साथ जुड़ने के लिए एक समृद्ध मंच प्रदान करने के लिए प्लेसमेंट सेल प्रतिबद्ध और समर्पित है। केपीएमजी ग्लोबल द्वारा 3.6 एलपीए का उच्चतम वेतन पैकेज दिया गया था। केपीएमजी इंडिया द्वारा 3 एलपीए का निम्नतम पैकेज दिया गया था। बी.कॉम (पी) के 17 छात्रों ने प्लेसमेंट हासिल किया, जबकि बी.कॉम (एच) के 14 छात्रों को भर्ती किया गया था (सितंबर 2023 तक)।
भर्तीकर्ताओं में एनआईआईटी, बायजूस, केपीएमजी, ईवाई, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सेंचर, इनफिनिट लोकस, होम वाइज, एचडीएफसी बैंक, बेक्टेल, रोकडा, डीई शॉ एंड कंपनी, इंटेलीपैट, सहित अन्य प्रमुख कंपनियों की एक प्रभावशाली लाइनअप शामिल है।

फ्राइडे स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स: ज्ञान की खोज में एक यात्रा

विशाल गंगा हिमालय से एक छोटी सी बूंद से शुरू होती है, वैसे ही फ्राइडे स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एफएसई) भी छोटे विचारों से शुरू होकर धीरे-धीरे मानव ज्ञान के शैक्षणिक परिदृश्य के विशाल क्षितिज पर ताकत और गति प्राप्त कर रहा है। इसकी शुरुआत 2010 में हुई थी। एफएसई युवा दिमागों के लिए एक प्रशिक्षण मैदान है जहां वे सीखते हैं कि कैसे पाठ्यपुस्तक ज्ञान को वास्तविक दुनिया की वास्तविकताओं के अनुसार अनुकूल बनाया जाए।

मेंटर मेंटी सेल

डीसीएसी में 2023 में मेंटर-मेंटी सेल की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य मेंटी को अपने मेंटर्स से प्राप्त होने वाले अनुभव, ज्ञान और अंतर्दृष्टि का लाभ उठाने का अवसर प्रदान करना था। परिसर में एक जीवंत मेंटर-मेंटी संबंध मेंटी को अपने जीवन में चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करते समय एक भावनात्मक और नैतिक आधार प्रदान करेगा। अपने मेंटर्स के साथ निरंतर बातचीत करने से छात्रों को नए कौशल विकसित करने, मौजूदा कौशल में सुधार करने और उपयुक्त करियर लक्ष्यों का पीछा करने के लिए स्वयं को सुसज्जित करने में सक्षम बनाया जाएगा। यह प्रणाली विशेष रूप से उन छात्रों के लिए उपयोगी साबित होगी जिन्हें परिवारिक समर्थन प्रणाली के बिना एक महानगर में जीवन का सामना करना होता है।

एक स्वस्थ और जीवंत मेंटर-मेंटी संबंध को पोषण देना परिसर के जीवन को महत्वपूर्ण तरीकों से समृद्ध करेगा और कॉलेज को करुणा से सूचित उत्कृष्टता की पोषक स्थली बना देगा।

प्रथम सेमेस्टर छात्र के रूप में, आपको अपने बहुत पहले वर्ष में एक मेंटर सौंपा जाएगा और, सभी संभावना में, आप पूरे चार वर्षों के कार्यक्रम के लिए एक ही मेंटर से जुड़े रहेंगे। आपको अपने मेंटर के साथ निरंतर संपर्क में रहने और अपने समूह के लिए आयोजित सभी बैठकों में भाग लेने की अपेक्षा की जाती है। डीसीएसी में मेंटरशिप कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी के लिए इस लिंक पर जाएं।
https://dcac.du.ac.in/mentor_mentee_cell

एड्रोइट

एड्रोइट, जिसकी विरासत 15 वर्षों से अधिक पुरानी है, ने विज्ञापन और मार्केटिंग के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। अर्थशास्त्र + एएसपीएम के जुनूनी बीए प्रोग्राम के छात्रों द्वारा स्थापित, इसने तब से विभिन्न विषयों के सदस्यों को स्वीकार किया है, जिससे एकता की भावना बढ़ी है। संघ अपने सदस्यों के ज्ञान और कौशल को इंटरएक्टिव सत्रों और आयोजनों के माध्यम से बढ़ाने के लिए समर्पित है। अपने नाम पर खरा उतरते हुए, एड्रोइट रचनात्मकता, टीमवर्क और व्यक्तिगत और पेशेवर विकास दोनों के लिए प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करता है, जिससे अपने सदस्यों के लिए एक सहायक, परिवार जैसा माहौल बनता है।

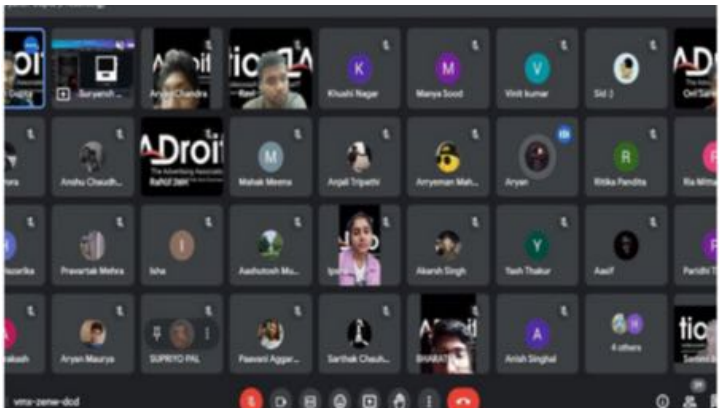

लिंगुइस्टा

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स की विदेशी भाषा सोसायटी, लिंगुइस्टा, ने 2023-24 में भाषाई विविधता का जश्न मनाने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। 17 अक्टूबर को आयोजित अभिविन्यास में परिषद के सदस्यों का परिचय दिया गया और एक भाषा क्विज आयोजित की गई, जिससे एक स्वागत योग्य वातावरण बना। 10 अक्टूबर को, बिशाखा सिंह ने "जर्मन भाषाविज्ञान को नेविगेट करने" पर एक वेबिनार का नेतृत्व किया, जिसमें जर्मन सीखने के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। 11 अक्टूबर को "स्प्राचे उन्ड स्पीले" कार्यक्रम में "भाषा का अनुमान लगाएं" जैसे खेल शामिल थे, जिससे नए छात्रों को भाषाओं का अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। 31 अक्टूबर को, "हाउल-ओ-वीन" ने हैलोवीन को भयानक सजावट, संगीत और खेलों के साथ मनाया, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और भाषा सीखने को बढ़ावा मिला। इन कार्यक्रमों ने भाषा के उत्साही लोगों के लिए एक समावेशी और आकर्षक समुदाय बनाने के लिए लिंगुइस्टा की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

फुले-अंबेडकर अध्ययन मंडल

फुले-अंबेडकर अध्ययन मंडल ने आईक्यूएसी के तत्वावधान में "डॉ बीआर अंबेडकर के विचारों का समकालीन युग में प्रासंगिकता" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें प्रोफेसर मनरूप सिंह मीना, प्रो-वाइस चांसलर, इग्नू और डॉ देवेंद्र सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने 13 अप्रैल 2023 को भाग लिया।

गांधी-टैगोर अध्ययन मंडल

गांधी-टैगोर अध्ययन मंडल ने मार्च 2024 में आईक्यूएसी के तत्वावधान में "टैगोर की कविता में रंग और रेखाएं" विषय पर एक डिजिटल पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई।

अथर्व

अथर्व, सिविल सर्विसेज सोसायटी, जिसका नारा "लिगेंस, परसेवरेंस, फोर्टिट्यूड" है, की स्थापना अक्टूबर 2023 में हुई और यह डीयू कॉलेजों में जल्दी ही लोकप्रिय हो गया। इसकी प्राथमिक उपलब्धि अप्रैल 2024 में "उत्कृष्ट'24" की मेजबानी करना था, जिसमें डॉ. तनु जैन, आईएएस सोनल गोयल और अरविंदाक्षा माधव दास प्रभु जैसे नोटेबल अतिथि शामिल थे। सोसायटी ने ट्रिस्टी आईएएस और यूनाकेडमी जैसे संस्थानों के साथ टॉक शो और सेमिनार भी आयोजित किए और अंतर-कॉलेज और इंट्रा-कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें बहस, क्विज और भाषण शामिल थे। साप्ताहिक समूह चर्चाएं, ब्लॉग सत्र और खेल गतिविधियां नियमित रूप से विकास और सामर्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की जाती हैं।

युवा

युवा ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें "तिरंगा बैंड" अभियान, युवा मिलन और झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के दौरे शामिल थे। सोसायटी ने सांस्कृतिक प्रदर्शनों, सेमिनारों और चर्चाओं के साथ अपना वार्षिक उत्सव, विमर्श का आयोजन किया। युवा ने करियर चिंता को प्रबंधित करने पर एक वेबिनार भी आयोजित किया और राखी को कर्मचारियों और छात्रों को राखी बांधकर भाईचारा और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दिया।

सांस्कृतिक सोसायटियाँ

क्लिक्स - फिल्मनिर्माण और फोटोग्राफी सोसायटी

2023-2024 शैक्षणिक वर्ष के दौरान, क्लिक्स, डीसीएसी की फोटोग्राफी सोसायटी, फोटोग्राफी को एक कला रूप के रूप में बढ़ावा देने और कैंपस में और बाहर विभिन्न आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए समर्पित थी। वर्ष की शुरुआत लोधी आर्ट डिस्ट्रिक्ट, गाजीपुर फूल मंडी, म्यूनिटी मेमोरियल, चांदनी चौक और मेहरौली जैसे प्रतिष्ठित स्थानों पर रोमांचक परिचयात्मक फोटो वॉक के साथ हुई। क्लिक्स ने संपदा के अभिविन्यास, वंगति, एड्रोइट प्रतियोगिताओं, एनएसएस आईएएस अधिकारी कार्यक्रम, युवा खेल आयोजन, पॉलिटिका फ्रेशर्स कार्यक्रम, एड समिट, फ्रेशर्स डे, एलए पैंथियन, दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव, सिम्फनी 24 वार्षिक महोत्सव, डीआरसी कॉलेज में एफिन मैथ्स विभाग महोत्सव, जेडीएमसी में एनैक्टस लुमिना, रामानुजन कॉलेज की शॉर्ट फिल्म निर्माण प्रतियोगिता, सुंदर माल कॉलेज की फोटोग्राफी प्रतियोगिता, एआरएसडी कॉलेज की तस्वीर फोटोग्राफी प्रतियोगिता, हिंदू कॉलेज की फोटोग्राफी प्रतियोगिता और दिल्ली विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति की फोटोग्राफी कार्यशाला सहित विभिन्न आयोजनों का व्यापक कवरेज प्रदान किया। सोसायटी की यात्रा रचनात्मकता, जुनून और समर्पण से चिह्नित है, जिससे फोटोग्राफरों और कहानीकारों का एक जीवंत समुदाय बनता है। आगे देखते हुए, क्लिक्स पलों को कैप्चर करने, स्मृतियों को संरक्षित करने और फोटोग्राफी की कला का जश्न मनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दस्तगाह: संगीत सोसायटी

दस्तगाह, डीसीएसी की संगीत सोसायटी, अक्सर दिन रूहानी धुनों पर जैमिंग करती हुई दिखाई देती है। भारतीय टीम अपने सूफी दोपहरों के लिए प्रसिद्ध है और पश्चिमी टीम के एकैपेला गीत कॉलेज के गलियारों में गूंथते हुए सुनाई देते हैं! इसने 17 अगस्त, 2023 को एक गतिशील प्रदर्शन के साथ शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत की, जिसमें नए और लौटे हुए छात्रों का स्वागत किया गया। पूरे साल, उन्होंने अपनी विविध संगीत प्रतिभा प्रदर्शित की और कैंपस आयोजनों में सहयोग किया। विशेष रूप से, 12 सितंबर को दस्तगाह की भारतीय टीम ने कॉलेज की एंटरप्रेन्योरशिप सेल, व्यापार के साथ मिलकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा और व्यापक अपील का प्रदर्शन किया।
जैसे-जैसे साल बीतता गया, दस्तगाह ने विभागीय और सोसायटी महोत्सवों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जैसे कि 16 अक्टूबर को राजनीति विज्ञान विभाग के फ्रेशर्स प्रोग्राम में आकर्षक द्वेत और सोलोस के साथ हेडलाइनिंग की। लिंगुइस्टा के अभिविन्यास में बहुभाषी प्रदर्शनों के साथ सांस्कृतिक विविधता भी वे लाए। दस्तगाह ने 'जश्न-ए-इनायत' जैसे आयोजनों के माध्यम से कैंपस जीवन में सक्रिय रूप से भाग लिया और लिंगुइस्टा के हैलोवीन समारोह में योगदान दिया, जिससे कैंपस सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन हुआ। 2024 की ओर देखते हुए, उन्होंने 'कॉनकोर्ड' जैसी प्रतियोगिताओं के लिए अपने कौशल को परिष्कृत करने पर ध्यान केंद्रित किया और विभिन्न महोत्सवों में प्रदर्शनों के साथ कैंपस जीवन को समृद्ध करना जारी रखा। साल का समापन कॉलेज के सांस्कृतिक महोत्सव में एक सहयोगी कोरस प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसने डीसीएसी में कलात्मक अभिव्यक्ति के एक कोने के रूप में दस्तगाह की प्रतिष्ठा को मजबूत किया।

ड्रिफ्टअप: डांस सोसायटी

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में ड्रिफ्टअप, एक गतिशील डांस सोसायटी, प्रभावशाली प्रदर्शनों और उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरा एक वर्ष था। सितंबर 2023 में, ड्रिफ्टअप ने सांस्कृतिक समिति और अर्थशास्त्र विभाग के अभिविन्यास में आकर्षक प्रदर्शनों के साथ अपनी गतिविधियों की शुरुआत की। उन्होंने विशेष रूप से एनएसएस के साथ "जश्न-ए-इनायत '23" के लिए सहयोग किया, जहां उनके प्रभाव को ड्रिफ्टअप अध्यक्ष मयंक के. हर्ष द्वारा एक निर्णायक के रूप में कार्य करने से उजागर किया गया था।

rदिसंबर में, उन्होंने पेशेवर नृत्यकर्ता श्री तरुण द्वारा एक सफल दो दिवसीय नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें कौशल विकास पर जोर दिया गया था। ड्रिफ्टअप ने "वाउ टैलेंट कैंपस कार्निवल" ऑनलाइन प्रतिभा प्रतियोगिता में भाग लेकर और "CONNEXUS" के लिए व्यापार के साथ सहयोग करके अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। माता सुंदरी कॉलेज और दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में "CONNEXUS" के दौरान उनके प्रदर्शनों ने उनकी मंच उपस्थिति को रेखांकित किया। व्यक्तिगत रूप से, सदस्यों ने इंटर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया: अनन्या आनंदन शिव नादर संस्थान के 'मेराकी' में, हर्षिता अरोरा श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के वर्व इवेंट में, और अक्षत वर्मा भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय के "ओर्फिक वॉल्यूम I" में। मान्यता में "वाउ टैलेंट कैंपस कार्निवल" में 'सबसे लोकप्रिय समूह' जीतना और एम्स जोधपुर के "ऑरा '24" समूह नृत्य प्रतियोगिता में दूसरा स्थान सुरक्षित करना शामिल है, जो ड्रिफ्टअप की नृत्य उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और कॉलेज संस्कृति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करता है।

मकतूब: कविता सोसायटी

.

मकतूब, कविता सोसायटी, अपने सदस्यों को प्रेरित करने और जोड़ने के लिए एक श्रृंखला आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया। अगस्त 2023 में, मकतूब ने "डेड पोएट्स सोसायटी" की एक इंटरएक्टिव स्क्रीनिंग के साथ शुरुआत की, जिससे सदस्यों में कविता के प्रति रुचि पैदा हुई। उन्होंने सांस्कृतिक समिति के सितंबर अभिविन्यास में नए छात्रों को शामिल किया, अपनी सोसायटी में अंतर्दृष्टि प्रदान की। अक्टूबर में नए और पुराने दोनों सदस्यों को एक परिचयात्मक सत्र के लिए एक साथ लाया गया, जिसमें गतिविधियों और पढ़ने के सत्रों के माध्यम से एक सामुदायिक भावना को विकसित करने के लिए। नवंबर में, मकतूब ने कवि महमूद दरवेश के कार्यों पर केंद्रित एक पढ़ने के सत्र के माध्यम से जीवन और संघर्ष के विषयों का अन्वेषण किया। उन्होंने "ऑर्फिक" लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया, जिसमें "छोटी चीजों के देवता" विषय पर जीवन की उपेक्षित बारीकियों का जश्न मनाया गया। फरवरी 2024 में "शिप ऑफ थेसियस" की एक ऑनलाइन स्क्रीनिंग हुई, जिसमें परिवर्तन की अवधारणा की जांच की गई। साथ ही, एक गुमनाम पत्र विनिमय कार्यक्रम ने सदस्यों के बीच प्रेम और दया को बढ़ावा दिया। ये गतिविधियां सामूहिक रूप से साहित्यिक प्रशंसा को गहरा करने और मकतब के भीतर एक सहायक समुदाय को पोषित करने के लिए लक्षित थीं।

लिंगुइस्टा: भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता की दुनिया की अन्वेषक-यात्रा

लिंगुइस्टा डीसीएसी की विदेशी भाषा सोसायटी है, जो जर्मन और स्पेनिश विभागों के तत्वावधान में चलाई जाती है, जो विदेशी भाषाओं और संस्कृतियों के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह सोसायटी आज की तेजी से बदलती हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाषाई विविधता और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में अग्रणी है, साथ ही साथ उन करियर के अवसरों की विस्तृत श्रृंखला में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है जो इन भाषाओं का अध्ययन करते हैं। लिंगुइस्टा के मुख्य उद्देश्य हैं:

- विदेशी भाषाओं और संस्कृतियों के प्रति जागरूकता और प्रेम को बढ़ावा देना
- भाषाई विविधता और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना
- विदेशी भाषाओं के अध्ययन से जुड़े करियर के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- छात्रों को विदेशी भाषाओं और संस्कृतियों के बारे में जानने और समझने के लिए एक मंच प्रदान करना।

लहर: नाटक सोसायटी

लहर, नाटक सोसायटी, ने सदस्यों के नाटकीय कौशल और रचनात्मकता को विकसित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अभिनय तकनीकों का अन्वेषण करने वाले इंटरएक्टिव नाटक सत्र आयोजित किए, पटकथा पढ़ने की कार्यशालाएं आयोजित कीं, और कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए कविता और कहानी सुनाने की शामें आयोजित कीं। एक अभिविन्यास कार्यक्रम ने नए सदस्यों को लहर के लक्ष्यों और संरचना से परिचित कराया। आगामी उत्पादनों के लिए गहन रिहर्सल ने उच्च-गुणवत्ता वाले प्रदर्शन पर जोर दिया। मंच पर स्पोंटेनिटी और अनुकूलन को तेज करने वाले इम्प्रोवाइजेशन सत्रों को गेम्स और कलात्मक अभ्यासों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों द्वारा पूरक किया गया था। एन्सेम्बल-निर्माण प्रयासों में टीम-निर्माण अभ्यास और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समूह चर्चाएं शामिल थीं। उनके प्रयासों ने महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त किया, जैसे कि आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी बॉम्बे में प्रीलिम्स के लिए योग्य होना, और टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, और निफ्ट में प्रथम पुरस्कार पाना शामिल हैं। व्यक्तिगत प्रतिभाओं को भी मान्यता मिली, जिसमें विप्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्राथम डोभाल शामिल हैं, जो सोसायटी की नाटकीय उत्कृष्टता को पोषित करने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

स्टाइलस: फैशन सोसायटी

स्टाइलस, डीसीएसी की फैशन सोसायटी, कई आयोजनों और सहयोगों में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें प्राइड मंथ पर इंस्टाग्राम श्रृंखला आयोजित करना, एक फैशन ब्रांड के साथ सहयोग करना, फोटोशूट आयोजित करना और अभिविन्यास और ऑडिशन आयोजित करना शामिल था। उन्होंने विभिन्न कॉलेजों में कई फैशन आयोजनों में भाग लिया और तीन दिवसीय मॉडलिंग कार्यशाला का आयोजन किया। उनके प्रदर्शन कई कॉलेजों में फैले हुए थे, और उन्होंने कई संस्थानों में प्रथम पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ मॉडल के खिताब जीते, जिनमें एआरएसडी कॉलेज, जीसस एंड मैरी कॉलेज, रामानुजन कॉलेज, शिव नादर यूनिवर्सिटी, बीएमएल मुंजाल, एसआरएम यूनिवर्सिटी, भारती कॉलेज, कमला नेहरू कॉलेज और श्री अरविंदो कॉलेज शामिल हैं।

विवक्षा: हिंदी डिबेटिंग सोसायटी

विवक्षा के सदस्यों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में विभिन्न डिबेट और भाषण प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने एक्सटेंपोर स्पीकिंग, संसदीय बहस और पारंपरिक बहस में भाग लिया, जिसमें कुछ सदस्य मॉडरेटर और निर्णायक के रूप में भी कार्य किया। तैयारी को बेहतर बनाने के लिए नियमित मॉक सत्र आयोजित किए गए, जिसमें व्यापक जोखिम के लिए क्रॉस-कॉलेज मॉक सत्र शामिल थे। विवक्षा ने 30-31 अक्टूबर, 2023 को अपनी फ्रेशर्स संसदीय बहस प्रतियोगिता और 21-22 फरवरी, 2024 को अपने वार्षिक आयोजन टार्कमंच का आयोजन किया। उल्लेखनीय उपलब्धियों में शिवपूजन कुमार और रितेश का एक संसदीय बहस में सेमीफाइनल में पहुंचना, पियुष सिंह को सर्वश्रेष्ठ इंटरजेक्टर के रूप में कई पुरस्कार प्राप्त करना और आदित्य झा को सर्वश्रेष्ठ वक्ता के रूप में मान्यता प्राप्त करना शामिल था। विभिन्न संस्थानों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में कई अन्य सदस्यों, जिनमें वंशिका सांगवान, प्रियांशु बदाल, अभय सिंह, आयुषी राज और रूपक कुमार शामिल हैं, ने शीर्ष स्थान प्राप्त किए। पियुष सिंह ने डीसीएसी में पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित एक आरजे प्रतियोगिता में तीसरा स्थान भी सुरक्षित किया। ये गतिविधियां तर्क - वितर्क की शिक्षार्थियों की प्रतिभा और विवक्षा की उपलब्धियों को रेखांकित करती हैं।

डेब्सॉक: अंग्रेजी डिबेटिंग सोसायटी

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स (डीसीएसी) की अंग्रेजी डिबेटिंग सोसायटी ने प्रतिष्ठित डिबेटिंग टूर्नामेंट में लगातार उत्कृष्टता के माध्यम से एक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठा स्थापित की है। पूरे वर्ष, सोसायटी ने सत्रों, मॉक डिबेट्स और केस स्टडीज के साथ तैयार किया, जिसमें नारीवाद, राजनीति और अर्थशास्त्र जैसे विविध विषयों को शामिल किया गया था। उनकी उपलब्धियों में एसआरसीसी-एसआरडीएफ'23 में नोविस विजेता और जेएमसी-एनआरएमडी'23 में नोविस रनर अप शामिल हैं, जहां अनन्या राजावत को दूसरे सर्वश्रेष्ठ नोविस स्पीकर के रूप में भी उत्कृष्ट किया गया था। साक्षम जैन को सीवीएस-मुख्तलिफ में फाइनल्स बेस्ट स्पीकर के रूप में मान्यता मिली, जहां टीम ने नोविस विजेता सुरक्षित किया। अनन्या राजावत ने सीवीएस-पीडी'23 में क्वार्टरफाइनल में पहुंचना जारी रखा और एसबीएस-पीडी'24 में 10वें सर्वश्रेष्ठ ओपन टीम की उपलब्धि हासिल की। वैक्स एलोक्वेंट-गर्गी'24 में, टीम सेमीफाइनल में आगे बढ़ी, जहां अनन्या राजावत को 9वें सर्वश्रेष्ठ ओपन स्पीकर का नाम दिया गया था। सोसायटी की सफलता राष्ट्रीय टूर्नामेंट जैसे कर्नाटक के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में भी विस्तारित हुई, जहां वे ओपन विजेता के रूप में उभरे। ये उपलब्धियां उनकी प्रतिबद्धता, बौद्धिक कौशल और स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर डिबेटिंग समुदाय में महत्वपूर्ण प्रभाव को उजागर करती हैं।

कॉलेज की गतिविधियां और सुविधाएँ

वेबिनार, वार्ता, इंटरैक्टिव सत्र की झलकियाँ (2023-24):

वाणिज्य विभाग

- 17 अप्रैल, 2023 को, कॉमर्स एसोसिएशन ने एक वक्ता सत्र की मेजबानी की, जिसमें सीमेंस लिमिटेड मोबिलिटी के प्रमुख श्री तिलक राज सेठ और बीकानेरवाला के निदेशक श्री नवरतन अग्रवाल शामिल थे।
- 4 मार्च, 2024 को एक वक्ता सत्र, जिसका शीर्षक था "ग्रेजुएशन के बाद कैरियर के अवसरों की खोज", कैरियर लॉन्चर के श्री नवनीत आनंद द्वारा आयोजित किया गया।.

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

- विभाग ने 'बाइटज़ेन' नामक एक सोसायटी की स्थापना की और शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के दौरान कई सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया।

अर्थशास्त्र विभाग

- 21 मार्च, 2024 को डॉ. सुरजीत दास द्वारा "भारत में मानव विकास के वित्तपोषण के लिए राजकोषीय स्थान" विषय पर एक व्याख्यान दिया गया।

अंग्रेजी विभाग

- 25 अगस्त, 2023 को डॉ. अनिमेष महापात्र ने 'अंग्रेजी साहित्य की शुरुआत: एक ऐतिहासिक अवलोकन' विषय पर पहला इन-हाउस व्याख्यान दिया। इसके बाद 25 सितंबर, 2023 को प्रोफेसर स्मिता बनर्जी द्वारा "अनपैकिंग द रेनेसां" शीर्षक से एक सत्र आयोजित किया गया। इस श्रृंखला का तीसरा सत्र, दिसंबर, 2023 को"लोकगीत की खोज: साहित्य और मीडिया के संदर्भ में एक आलोचनात्मक परीक्षण, डॉ. विनीता गुप्ता चतुर्वेदी द्वारा आयोजित किया गया।
- 19 अक्टूबर, 2023 को, विभाग ने अपने पहले अतिथि व्याख्यान, "बटवारा बनाम आज़ादी" की मेजबानी की, जिसमें पुरस्कृत अनुवादक, लेखिका और साहित्यिक इतिहासकार डॉ. रक्षंदा जलील शामिल थीं, जो अपने बेस्टसेलर "इनविजिबल सिटी" (2008) के लिए जानी जाती हैं।
- 13 फरवरी, 2024 को, ईएलए ने एक्सोर्डियम व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में "द सर्च फॉर द फेमिनिन: रीडिंग चिनुआ अचेबेज़ थिंग्स फ़ॉल अपार्ट" शीर्षक से एक अतिथि व्याख्यान की मेजबानी की, जिसे भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर नंदिनी सेन ने प्रस्तुत किया।
- 7 मार्च, 2024 को, 'द आर्ट ऑफ़ कमिंग आउट' पर एक वाचन सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें किसी की जाति की पहचान को स्वीकार करने और जाति अध्ययन के आसपास विभिन्न आख्यानों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया गया था।
- 21 मार्च, 2024 को ईएलए ने स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज, इग्नू से प्रोफेसर नंदिनी साहू को "हमारे समय में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता" विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया।

हिंदी विभाग

- दिल्ली कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस" के अवसर पर 14 सितंबर 2023 को "वैश्विक फलक पर हिंदी " विषय पर व्याख्यान किया जिसमें वक्ता के तौर पर डॉ संतोष पटेल को आमंत्रित किया गया।

इतिहास विभाग

- विभाग ने 10 अक्टूबर 2023 को "प्राचीन स्रोतों और ऐतिहासिक व्याख्याओं का पुनरावलोकन" विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग से प्रोफेसर जया एस.त्यागी का एक व्याख्यान आयोजित किया।
- 4 दिसंबर 2023 को डॉ. संपा बिस्वास द्वारा जापानी कला पर भारतीय प्रभाव विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- विभाग ने 11 दिसंबर 2023 को प्रोफेसर शालिनी सक्सेना द्वारा " ग्रीन नेशनल अकाउंटिंग—ए स्टैप टुवर्ड्स एकनोलिजिंग द रियेलिटी" विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया।
- विभाग ने 4 मार्च 2024 को प्रोफेसर आर.चंपालक्ष्मी के सम्मान में समर्पित एक स्मारक समूह चर्चा का आयोजन किया।
- विभाग ने 18 मार्च 2024 को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन की डॉ. प्रतीची प्रियंबदा द्वारा "सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का निर्माण" विषय पर एक व्याख्यान की मेजबानी की।

पत्रकारिता विभाग

- 5 अक्टूबर, 2023 को प्रोफेसर बिप्लब लोहा चौधरी द्वारा " इर्मजिंग ट्रेंड इन पोलिटिकल रिर्पोटिंग" और 17 अक्टूबर, 2023 को अर्थशास्त्री और इतिहासकार श्री संजीव सान्याल द्वारा "डिसीफ़रिंग वेस्टर्न प्रोपेगेंडा" पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए।
- पत्रकारिता विभाग, अंग्रेजी विभाग और इंग्लिश लिटरेरी एसोसिएशन ने 1 नवंबर, 2023 को " फोक एस एन इर्मजिंग ट्रेंड इन लिटरेचर एण्ड मीडिया" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें डॉ. बिजेंद्र सिंह और डॉ. अनिल कुमार पांडे रिर्सोस पर्सन थे।
- विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें 2-3 नवंबर, 2023 को सुश्री नेहा दहिया द्वारा "विज़ुअल कम्युनिकेशन", 7-8 नवंबर, 2023 को श्री नवीन गोला द्वारा "फ़ोटोग्राफ़ी", और 5-6 अक्टूबर 2023 को डॉ. गगन गेरा द्वारा "न्यूज़पेपर डिज़ाइनिंग" शामिल थी। 9—10 नवंबर 2023 को निधि चौधरी द्वारा प्रिन्ट जर्नलिज्म पर वर्कशाप का आयोजन किया गया । इसके अतिरिक्त पेनासोनिक स्टुडियों द्वारा 23 फरवरी 2024 को " केमरा: फन्डामेंटल एंड प्रींसिपल" पर एक और कार्यशाला आयोजित की गई थी ।

गणित विभाग

- 21 नवंबर, 2023 को 'कैरियर ग्रूमिंग' पर एक सेमिनार आयोजित किया गया, इसके बाद 29 नवंबर, 2023 को डॉ. जगविंदर सिंह के नेतृत्व में 'इन्ट्रोडक्शन टू डेटा एनालिटिक्स' पर एक और सेमिनार आयोजित किया गया।
- विभाग ने प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल के सहयोग से फिर से 'कैरियर मेला' पर एक सेमिनार की मेजबानी की, जिससे छात्रों को उनके पेशेवर विकास के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और अवसर प्रदान किए गए।

जर्मन विभाग

- विभाग ने 29 अप्रैल 2024 को एक पूर्व छात्र, साहिल द्वारा एक वार्ता का आयोजन किया, जिसने 2023 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और जर्मनी के फ्रीबर्ग में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के चयनित हूए ।

स्पेनिश विभाग

- स्पैनिश विभाग ने स्पैनिश भाषी देशों की संस्कृति से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जिसमें इन देशों के विभिन्न व्यंजन, चित्रकार और उनकी पेंटिंग और त्यौहार आदि शामिल थे।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

- 21 मार्च, 2024 को एक वेबिनार आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक था "नेचर्स नेरेटिव: क्रोनिकल्स आफ ह्युमन वाइल्डलाइफ एनकाउंर्टस" व्याख्यान डॉ. अर्कज्योति शोम द्वारा दिया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग

- **विभाग समय-समय पर विभिन्न वार्ता, व्याख्यान, पैनल चर्चा, वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन प्रतियोगिता और ऐसे अन्य कार्यक्रम आयोजित करता है।**

शारीरिक शिक्षा विभाग

- डीसीएसी में, खेल गतिविधियाँ केवल एक शौक नहीं हैं, वे जीवन का एक तरीका हैं! विभिन्न खेल आयोजन और टूर्नामेंट आपकी प्रतिभा दिखाने और स्थायी यादें बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग ने विभिन्न अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी आदि खेलों के लिए चयन परीक्षण आयोजित किए।

क्रिएटिंग जेंडर—सेंसेटिव केम्पस स्पेसेज

कॉलेज कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता की नीति का पालन करता है और इस उद्देश्य के लिए दो समितियों आंतरिक शिकायत समिति और लिंग संवेदीकरण समिति का गठन किया है। परिसर में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महिला सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं, सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और एक शिकायत बॉक्स प्रदान किया गया है। समितियाँ महिलाओं के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके छात्रों और कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए विशेष प्रयास करती हैं। लैंगिक मुद्दों पर सेमिनार, कार्यशालाएं और फिल्म स्क्रीनिंग नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने महिला विकास सेल (डब्ल्यूडीसी) और लिंग संवेदीकरण समिति के सहयोग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान कई प्रभावी कार्यक्रम आयोजित किए। 31 अक्टूबर, 2023 को डॉ. रश्मि रावत द्वारा "मानसिक उत्पीड़न" पर एक व्याख्यान दिया गया, जिसमें मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार के तरीको को समझने पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त ICC और WDC ने 29 फरवरी, 2024 को एक वाद-विवाद प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें छात्रों ने महत्वपूर्ण मुद्दो पर चर्चा की। 14 मार्च, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में, समितियों ने महिलाओं के योगदान और संघर्ष का जश्न मनाते हुए डॉ. अमिता और कवि श्री मुकेश कुमार की अध्यक्षता में एक काव्यात्मक सिम्फनी कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। 30 अप्रैल, 2024 को आईसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देने के लिए कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज में सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रियंका सरोहा और डॉ. नीति हुडा द्वारा "कार्यस्थल पर उत्पीड़न: आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका" पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया था। ये आयोजन कॉलेज में सभी के लिए सुरक्षित और सहायक माहौल को बढ़ावा देने के लिए समिति की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

इक्वल ओपोरचुनेटी सेल

इक्वल ओपोरचुनेटी सेल की स्थापना 2010 में कॉलेज में की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से, यह दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए एक सुविधा प्रदाता और समन्वयक के रूप में कार्य कर रहा है। इकाई अपने सामान्य समकक्षों को शामिल करके संवादात्मक तरीके से दिव्यांग छात्रों के लिए संवेदीकरण कार्यशालाएं और गतिशीलता-अभिमुखीकरण अभियान भी आयोजित करती है।

पुस्तकालय

2023-2024 में कॉलेज लाइब्रेरी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिससे इसका संग्रह लगभग 62,842 पुस्तकों तक बढ़ गया है, जिसमें 13 समाचार पत्र, 23 पत्रिकाएँ और अंग्रेजी और हिंदी में 541 सीडी शामिल हैं। कॉलेज की वेबसाइट के माध्यम से पहुंच योग्य, यह डेटाबेस, ई-जर्नल्स और ई-बुक्स सहित डीयूएलएस और एन-लिस्ट के माध्यम से व्यापक ऑनलाइन सेवाएं और ई-संसाधन प्रदान करता है। एयर कंडीशनिंग, क्लाउड सर्वर पर KOHA सॉफ्टवेयर के साथ स्वचालन और आरएफआईडी तकनीक जैसी आधुनिक सुविधाएं पुस्तकालय प्रबंधन दक्षता को बढ़ाती हैं। इसमें आरएफआईडी-सक्षम लाइब्रेरी कार्ड और निर्बाध लेनदेन के लिए एक सेल्फ-सर्कुलेशन डेस्क शामिल है। लाइब्रेरी ने पुराने पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्रों जैसी सामग्रियों को दूरस्थ रूप से सुलभ बनाने के लिए एक संस्थागत भंडार स्थापित करने के लिए डी-स्पेस सॉफ्टवेयर लागू किया है। यह लाखों ई-पुस्तकों और ई-जर्नलों तक विस्तार करते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय लाइब्रेरी सिस्टम ई-संसाधनों तक पहुंच भी प्रदान करता है। ओपन-एक्सेस प्रिंट जर्नल, ई-पुस्तकें और शैक्षिक संसाधन पुस्तकालय की पेशकश को और समृद्ध करते हैं, अकादमिक जुड़ाव और अनुसंधान प्रयासों को प्रभावी ढंग से समर्थन देते हैं।

चिकित्सा सहायता कक्ष

कॉलेज में एक चिकित्सा कक्ष है जिसमें एक पैरामेडिक ड्यूटी पर है। यह आपातकालीन स्थिति के लिए एक स्ट्रेचर और दो व्हील चेयर से सुसज्जित है।

खेल सुविधाएँ

कॉलेज में एक मानक आकार सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट और मानक स्टैग टेबल-टेनिस टेबल, जिम्नेजियम, मिनी फुटबॉल ग्राउंड, क्रिकेट के लिए 3 प्रैक्टिस पिच हैं।

मल्टी परपज हॉल

कॉलेज में उत्कृष्ट ध्वनि प्रणाली और प्रकाश उपकरण के साथ एक अत्याधुनिक मल्टी परपज हॉल है।

सेमिनार कक्ष

कॉलेज में दो अत्याधुनिक सेमिनार कक्ष हैं, जो नवीनतम दृश्य-श्रव्य तकनीक से सुसज्जित हैं, जो छात्रों और शिक्षकों के लिए एक गहन और आकर्षक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देते हैं।

सम्मेलन कक्ष

कॉलेज का सम्मेलन कक्ष संकाय, छात्रों और मेहमानों के बीच उत्पादक बैठकों, प्रस्तुतियों और चर्चाओं की सुविधा के लिए आधुनिक सुविधाओं और प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है।

विश्वविद्यालय के अध्यादेश

अध्यादेश XV-B

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

1.अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियां कुलपति में निहित हैं।

2. कुलपति सभी या ऐसी शक्तियां, जो वह उचित समझे, प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सौंप सकता है, जिन्हें वह इस ओर से निर्दिष्ट कर सकता है।

3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निम्नलिखित को घोर अनुशासनहीनता के कार्य माना जाएगा:

- ए। किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी
- बी। किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना
- सी। नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन
- डी। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन
- इ। कोई भी प्रथा-चाहे मौखिक हो या अन्यथा-महिलाओं का अपमान करने वाली हो
- एफ। किसी भी प्रकार से रिश्वत देने या भ्रष्टाचार करने का कोई भी प्रयास
- जी। संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश
- एच। धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर द्वेष या असहिष्णुता पैदा करना
- मैं। विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना;
- जे। अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैगिंग पर प्रतिबंध।

4. अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, कुलपति अपने प्रयोग में ऐसा कर सकता है। उपरोक्त शक्तियां आदेश या निर्देश देती हैं कि कोई भी छात्र या छात्राएँ -

- एक। निष्कासित किया; या
- बी। एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जाए; या
- सी। किसी निश्चित अवधि के लिए किसी कॉलेज में किसी पाठ्यक्रम या अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लिया जाए, विश्वविद्यालय का विभाग या संस्थान; या
- डी। निर्दिष्ट रुपये की राशि का जुर्माना लगाया जाएगा; याइ। विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा देने से वंचित किया जाएगा
- इ। विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा देने से वंचित किया जाएगा एक या अधिक वर्षों के लिए परीक्षाएँ; या
- एफ। कि परीक्षा या परीक्षाओं में संबंधित छात्र या छात्राओं का परिणाम जिसमें वह निरस्त होना प्रतीत हुआ है।

5. महाविद्यालयों के प्राचार्य, हॉल के प्रमुख, संकायों के डीन, शिक्षण प्रमुख

विश्वविद्यालय के विभागों, प्राचार्य, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और लाइब्रेरियन को अपने संबंधित कॉलेजों, संस्थानों, संकायों और विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा जो कि उचित आचरण के लिए आवश्यक हो सकते हैं। संबंधित संस्थान, हॉल और शिक्षण। विभाग. वे अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।

6. जैसा कि ऊपर कहा गया है, कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे।

इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र

उनसे अपेक्षा की जाएगी कि वे स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराएं।
प्रवेश के समय प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना होगा
प्रवेश के लिए वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र के अधीन कर देता है, जिन्हें अधिनियमों, क़ानूनों, अध्यादेशों और उनमें बनाए गए नियमों के तहत अनुशासन का अभ्यास करने का अधिकार दिया जा सकता है। विश्वविद्यालय द्वारा.

अध्यादेश XV-C:

रैगिंग के लिए निषेध और सजा

1.कॉलेज/विभाग या परिसर के भीतर किसी भी रूप में रैगिंग सख्त वर्जित है
संस्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन पर भी।

2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।

3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का अर्थ सामान्यतः कोई भी कार्य, आचरण या अभ्यास है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए सिरे से छात्रों पर लागू किया जाता है।
नामांकित या वे छात्र जो किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा कनिष्ठ या हीन माने जाते हैं; और
इसमें व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएँ शामिल हैं -
ए। इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी शामिल है
बी। महिला छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन
सी। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करें
डी। छात्रों को उपहास और अवमानना के लिए उजागर करें और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करें
इ। इसमें मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।

4. किसी महाविद्यालय का प्राचार्य, विभाग या संस्था का प्रमुख, प्राधिकारी
कॉलेज, या यूनिवर्सिटी हॉस्टल या हॉल ऑफ रेजिडेंस किसी पर भी तुरंत कार्रवाई होगी
रैगिंग की घटना की जानकारी.

5. उपरोक्त खंड (4) में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना की स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।

6. प्रॉक्टर अपराधियों की पहचान स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है रैगिंग और रैगिंग घटना की प्रकृति।

7. यदि किसी कॉलेज के प्राचार्य या विभाग या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि किसी कारण से, लिखित रूप में दर्ज किए जाने पर, ऐसी जांच करना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह वाइस को सलाह दे सकते हैं -कुलाधिपति तदनुसार.

8. जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जांच कराना समीचीन नहीं है, तो उसका निर्णय अंतिम होगा।

9. खंड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या खंड (7) के तहत संबंधित प्राधिकारी द्वारा खंड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं का खुलासा करने वाले निर्धारण पर। , कुलपति किसी छात्र या छात्राओं को विशिष्ट वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा।

10. रैगिंग के अन्य मामलों में कुलपति आदेश या निर्देश दे सकता है कि किसी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निर्धारित अवधि के लिए उसे कॉलेज में अध्ययन के पाठ्यक्रम में प्रवेश न दिया जाए।
एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा या संबंधित छात्र या छात्राएँ जिस परीक्षा या परिक्षा में सम्मिलित हुए थे उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।

11. यदि कोई छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय की डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त किया हुआ पाया जाता है अपराधी; इस अध्यादेश के तहत वापसी के लिए परिनियम 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डिग्री या डिप्लोमा।

12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के लिए उकसाना, चाहे वह किसी कार्य, अभ्यास या रैगिंग के लिए उकसाना हो, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के भीतर सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी निर्देशों/निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य होंगे।

नोट: अध्यादेश XV-सी के अनुसरण में कुलपति का आदेश:
जहां इसके तहत किसी प्राधिकारी द्वारा रैगिंग की घटनाओं की सूचना कुलपति को दी जाती है अध्यादेश के अनुसार, रैगिंग में शामिल छात्रों को एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित कर दिया जाएगा। रैगिंग की रिपोर्ट में शामिल गैर-छात्रों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी; उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में नामांकन लेने से पांच साल की अवधि के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। जिन छात्रों के खिलाफ इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है, उन्हें प्राकृतिक न्याय के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए निर्णय के बाद सुनवाई का मौका दिया जाएगा।

एंटी रैगिंग कमेटी के सदस्य

लेफ्टिनेंट भूपिंदर - संयोजक (bsjaryal@dcac.du.ac.in)
विद्यार्थी परिषद के सलाहकार

- डॉ. मनोज राठी (manoj.rathi@gmail.com)
- डॉ. लक्ष्मी (laxmi@dcac.du.ac.in)
- डॉ. ज्योत्सना पाठक (jyotsna.pathak@dcac.du.ac.in)
- श्री संजय झा (aodcac@gmail.com)

अध्यादेश XV-D

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (कानून और न्याय मंत्रालय)।
कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने और यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण और उससे जुड़े प्रासंगिक मामलों के लिए एक अधिनियम। जबकि यौन उत्पीड़न के परिणामस्वरूप भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत एक महिला के समानता के मौलिक अधिकारों और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके जीवन के अधिकार और सम्मान के साथ जीने का अधिकार और किसी भी पेशे का अभ्यास करने या धारण करने का अधिकार का उल्लंघन होता है। किसी भी व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय पर जिसमें यौन उत्पीड़न से मुक्त सुरक्षित वातावरण का अधिकार शामिल है और जबकि यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और सम्मान के साथ काम करने का अधिकार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और उन्मूलन पर कन्वेंशन जैसे उपकरणों द्वारा सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त मानव अधिकार हैं। महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव, जिसे भारत सरकार द्वारा 25 जून 1993 को अनुमोदित किया गया है। और जबकि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं की सुरक्षा के लिए उक्त कन्वेंशन को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान करना समीचीन है। विवरण के लिए,कृपया वेबसाइट http://www.shebox.nic.in/assets/site/main/images/Sexual-Harassment-at-Workplace-Act.pdf देखें।

आंतरिक शिकायत समिति, लिंग संवेदीकरण समिति

समितियाँ महिला छात्रों के कल्याण के लिए सक्रिय रूप से काम करती हैं और उनकी शिकायतों के निवारण की सुविधा प्रदान करती हैं। वे नियमित रूप से घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न जैसे महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर फिल्म स्क्रीनिंग, वार्ता और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करते हैं, यौन उत्पीड़न से संबंधित वैधानिक प्रावधानों और कॉलेज में उनकी रोकथाम, लिंग संवेदनशीलता और व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता, कन्या भ्रूण हत्या पर चर्चा करते हैं। और जैसे। दिल्ली पुलिस क्राइम सेल द्वारा कॉलेज में आत्मरक्षा कार्यशाला का भी आयोजन किया जाता है।

यौन उत्पीड़न के विरुद्ध आंतरिक शिकायत समिति

यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में एक आंतरिक शिकायत समिति है। ऐसी किसी भी शिकायत के लिए पीठासीन अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है

आंतरिक शिकायत समिति के सदस्य

क्रमांक	सदस्य का नाम	पद	दूरभाष संख्या	ईमेल
1	प्रो. बिजया ठाकुर	पीठासीन अधिकारी	9540024039	bthakur@dcac.du.ac.in
2	प्रो. श्रीकांत पांडे	सदस्य	9811073507	spandey@dcac.du.ac.in
3	डॉ. नेहा जिंगाला	सदस्य	9818893289	neha.jingala@dcac.du.ac.in
4	डॉ. पूनम रानी, पुस्तकालय अध्यक्ष	सदस्य	7011297110	librarian@dcac.du.ac.in
5	सुश्री सोनू	सदस्य (गैर शिक्षण)	8368775438	sonu@dcac.du.ac.in
6	सुश्री रीतिका सिंह	सदस्य (गैर शिक्षण)	7042713431	riti0414@gmail.com
7	श्री रचित	छात्र प्रतिनिधि	7452066041	rachit.22jour314@dcac.du.ac.in
8	श्री यतिश सिंह	छात्र प्रतिनिधि	9654410072	yatish.22eng158@dcac.du.ac.in
9	सुश्री अंशिका सागर	छात्र प्रतिनिधि	6300659554	anshika.22ps477@dcac.du.ac.in
10	सुश्री नियती शर्मा	को-ऑप्टेड सदस्य	8587027428	sharma.niyati29@gmail.com

कॉलेज ने निम्नलिखित सदस्यों के साथ एक लिंग संवेदीकरण प्रकोष्ठ का गठन किया है:

क्रमांक	सदस्य का नाम	पद
1	डॉ. संतोष भारती	संयोजक
2	डॉ. किशोर कुमार	सदस्य
3	डॉ. किशोर कुमार	सदस्य
4	डॉ. शशि कांत	सदस्य
5	डॉ. पूनम रानी	सदस्य
6	सुश्री जानकी बत्रा	छात्र प्रतिनिधि
7	श्री जीवन ज्योति रौतराय	छात्र प्रतिनिधि

कॉलेज के नियम और विनियम

कॉलेज का समय

कॉलेज में कक्षाएं सुबह 8.30 बजे शुरू होती हैं, प्रत्येक कक्षा की अवधि 1 घंटे है।

उपस्थिति

दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश VII के अनुसार, सभी नियमित छात्रों को विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने के लिए अर्हता प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए न्यूनतम संख्या में व्याख्यान और ट्यूटोरियल (दो-तिहाई या 67%) में भाग लेना आवश्यक है। आंतरिक मूल्यांकन (आईए) स्कोर का एक घटक किसी छात्र द्वारा किसी विशेष पेपर में भाग लेने वाली कक्षाओं की संख्या पर आधारित होता है। IA के 30 अंकों वाले पेपर के लिए, 6 अंक छात्र की उपस्थिति प्रतिशत पर आधारित होंगे। निम्नलिखित तालिका दर्शाती है कि एक छात्र को उस पेपर में उपस्थिति के लिए कितने अंक मिलेंगे जिसके लिए 100 कक्षाएं/अवधि पढ़ाई गई हैं

Classes Taught	Classes Attended	Attendance Percentage	Attendance Score in IA out of 6
100	<67	66% or below	0
100	67–69	67% or more but less than 70%	1.2
100	70–74	70% or more but less than 75%	2.4
100	75–79	75% or more but less than 80%	3.6
100	80–84	80% or more but less than 85%	4.8
100	≥85	85% or above	6

व्याख्यान और ट्यूटोरियल में उपस्थिति के मामले में, कॉलेज के छात्र विश्वविद्यालय परीक्षा के नियमों और विनियमों द्वारा शासित होते हैं और उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपेक्षित संख्या में व्याख्यान, ट्यूटोरियल और व्यावहारिक कक्षाओं में भाग लेना होता है। यदि कोई छात्र बिना किसी वैध कारण के 30 दिनों से अधिक समय तक अनुपस्थित रहता है, तो ऐसे छात्र का नाम बिना किसी सूचना के कॉलेज के रोल से काट दिया जाएगा। यदि कोई छात्र अपनी अनुपस्थिति का कारण प्रधानाध्यापक को संतुष्ट कर दे तो पुनः प्रवेश दिया जा सकता है। परन्तु किसी भी स्थिति में अनुपस्थिति साठ दिन से अधिक नहीं होनी चाहिए। ऐसे मामले में पुस्तकालय सुरक्षा के अलावा कोई अन्य शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों से भी यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है कि उनके बच्चे उपस्थिति की आवश्यकताओं को पूरा करे ताकि उन्हें सेमेस्टर के अंत में विश्वविद्यालय परीक्षा देने से रोका न जाए। बीमारी की स्थिति में, छात्रों को बीमार पड़ने के एक पखवाड़े के भीतर कॉलेज कार्यालय में अपना मेडिकल प्रमाणपत्र जमा करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा किसी भी आधार पर कोई मेडिकल प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। हालाँकि, मेडिकल प्रमाणपत्र छात्र की उपस्थिति या अंक सुनिश्चित नहीं करेगा।

पहचान पत्र

छात्रों को हर समय अपने व्यक्ति पर पहचान पत्र ले जाना आवश्यक है। पहचान पत्र कॉलेज छोड़ते समय जमा करना होगा। पहचान पत्र खो जाने की स्थिति में, ₹ 30/- के भुगतान पर डुप्लीकेट पहचान पत्र जारी किया जाएगा और छात्र को पुलिस में शिकायत (एफआईआर) दर्ज करनी होगी और उसकी एक प्रति कॉलेज में जमा करनी होगी।

छात्रों का कॉमन रूम

लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग कॉमन रूम हैं। कॉमन रूम अच्छी तरह से सुसज्जित हैं और कॉलेज के घंटों के दौरान छात्रों को इनडोर खेलों और मनोरंजन के लिए सुविधाएं प्रदान करते हैं।

कॉलेज का नोटिस बोर्ड

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से कॉलेज के नोटिस बोर्ड को देखने की आदत डालें क्योंकि यह छात्रों के साथ संचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। समय-सारणी, परीक्षा की तिथि, उपस्थिति नियम, फ्रीशिप के लिए विभिन्न आवेदन पत्र जमा करने, छात्रवृत्ति, खेलकूद और कॉलेज फीस आदि के बारे में सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं समय-समय पर नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाती हैं। छात्रों को कोई अलग संचार डाक द्वारा नहीं भेजा जाएगा। सभी छात्रों को महत्वपूर्ण जानकारी के लिए नियमित रूप से कॉलेज की वेबसाइट (http://dcac.du.ac.in) और विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.du.ac.in) पर जाने की आवश्यकता है।

एनसीसी, एनएसएस और खेल

प्रत्येक छात्र को तीन गतिविधियों में से एक में शामिल होने की आवश्यकता है - एनसीसी, एनएसएस या खेल। एनएसएस नामांकित स्वयंसेवकों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व गुणों को विकसित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। ये गतिविधियाँ छात्रों को विभिन्न गैर सरकारी संगठनों और बड़े नागरिक समाज से जोड़ती हैं। अधिक जानकारी के लिए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुश्री डॉ. ज्योत्सना पाठक से संपर्क करें।
दिल्ली विश्वविद्यालय की एनसीसी गतिविधियों में कॉलेज का बहुत प्रमुख स्थान है। एनसीसी में भाग लेने के इच्छुक लोग एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट भूपिंदर से संपर्क करें।
खेल के क्षेत्र में भी कॉलेज का प्रदर्शन शानदार रहा है।

छात्रों को वित्तीय सहायता

कॉलेज कार्यालय में उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन करने पर योग्य छात्रों को शुल्क में छूट के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है। आवेदन इस प्रयोजन के लिए अधिसूचित तिथि से पूर्व महाविद्यालय कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। किसी भी छात्र को वित्तीय सहायता के अनुदान के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने समय सीमा से पहले आवेदन जमा नहीं कर दिया हो। इस तरह की वित्तीय सहायता केवल उन्हीं छात्रों को दी जाएगी जो अकादमिक रूप से मजबूत पाए जाएंगे।
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली की मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं। जो छात्र उपरोक्त छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं, उन्हें अपने आवेदन (कॉलेज कार्यालय में उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र पर) जमा करने होंगे। नियमों के तहत आवश्यक प्रमाण पत्र घोषणा आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया जाना चाहिए। जो छात्र दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों से हैं, उन्हें प्रवेश के तुरंत बाद अपना आवेदन उन राज्यों में जमा करना होगा, जहां से वे संबंधित हैं। इन निर्देशों का पालन करने में विफलता के परिणामस्वरूप ऐसी छात्रवृत्तियां प्रदान नहीं की जाएंगी।

ऑनर्स कोर्स के लिए स्कॉलरशिप

विश्वविद्यालय हर साल अक्टूबर के महीने में अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति, 50 (पचास) के मूल्य की संख्या में ₹ 250/- (दो रुपये) के पुरस्कार के लिए दिल्ली में एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है। सौ पचास मात्र) प्रति माह प्रत्येक विश्वविद्यालय में ऑनर्स की डिग्री के लिए अध्ययन के एक पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए तीन साल के लिए देय है। प्रतियोगिता उन छात्रों के लिए खुली होगी जिन्होंने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (शिक्षा के 10 + 2 पैटर्न के तहत) या वर्ष में कुल मिलाकर 55% अंकों के साथ उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की है। अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की जाती है।
आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि प्रत्येक वर्ष 1 सितंबर है । अन्य विवरण कॉलेज या परीक्षा शाखा VII (i) (मुख्य विश्वविद्यालय परिसर) से किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे के बीच प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त के बाद। योग्य उम्मीदवारों से परीक्षा फॉर्म अपेक्षित परीक्षा शुल्क के साथ स्वीकार किया जाएगा। पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छात्रों को इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दक्षता का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। विस्तृत जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

धूम्रपान रोधी नोडल अधिकारी

कॉलेज धूम्रपान रोधी क्षेत्र है। डॉ. ज्योत्सना पाठक धूम्रपान रोधी नोडल अधिकारी हैं।

आरटीआई अधिनियम 2005

आरटीआई के लिए प्रासंगिक जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कॉलेज की वेबसाइट देखें।

निम्नलिखित अधिकारियों को जन सूचना अधिकारी/सहायक सूचना अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

जन सुचना अधिकारी

डॉ. सुधांशु कुमार (sudhanshu.kumar@dcac.du.ac.in)

प्रथम अपील अपीलीय प्राधिकारी

प्रो. राजीव चोपड़ा, प्राचार्य (principaldcac@gmail.com)

कॉलेज देय राशि के भुगतान का तरीका

पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया के लिए, कॉलेज शुल्क के भुगतान का तरीका और शुल्क वापसी की सूचना के लिए कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम 2023-24 में प्रवेश के बुलेटिन को देखें।

अनुशासन के नियम

कॉलेज में अनुशासन के नियमों का पालन करने के लिए, ऊपर उद्धृत दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-B देखें।

अनुशासन समिति/प्रोक्टोरियल समिति के सदस्य

- श्री अमित कुमार यादव - संयोजक (amit.yadav@dcac.du.ac.in)
- लेफ्टिनेंट भूपिंदर (bsjaryal@dcac.du.ac.in)
- डॉ. मनोज कुमार राठी (manoj.rathi@dcac.du.ac.in)
- डॉ.विजय कुमार (vijay.kumar@dcac.du.ac.in)
- विद्यार्थी परिषद सलाहकार
- डॉ. पूनम रानी (librarian@dcac.du.ac.in)
- डॉ. ज्योत्सना पाठक (jyotsna.pathak@dcac.du.ac.in)

पुस्तकालय के नियम

प्रत्येक छात्र को पुस्तकालय कार्ड प्राप्त होने पर पुस्तकालय और वाचनालय के नियम जारी किए जाएंगे। विश्वविद्यालय परीक्षा देने से पहले शैक्षणिक वर्ष के अंत में प्रत्येक छात्र को अपने नाम की किताबें/पत्रिकाएँ वापस करनी होंगी। परीक्षा रोल नं. छात्र द्वारा लाइब्रेरी/अकाउंट्स/एनसीसी/स्पोर्ट्स आदि से नो ड्यूज़ क्लीयरेंस प्रस्तुत करने के बाद ही जारी किया जाएगा।

प्रशासनिक कर्मचारी - वर्ग

प्रधानाचार्य का कार्यालय	
सुश्री सोनू	सहायक
सुश्री तरु सिरोही	कनिष्ठ सहायक

प्रशासन विभाग	
श्री संजय झा	प्रशासनिक अधिकारी
श्री संजीव कुमार	अनुभाग अधिकारी
सुश्री सुनीता शर्मा	वरिष्ठ सहायक
श्री नाईम	सहायक
श्री बीजेंद्र सिंह	कनिष्ठ सहायक
श्री राम करण मीना	कनिष्ठ सहायक
श्री रामेश्वर दयाल शर्मा	दफ्तरी
श्री जगदीश सिंह	एमटीएस - ऑफिस अटेंडेंट
श्रीराम कनोजिया	एमटीएस - ऑफिस अटेंडेंट
श्री सुरिंदर सिंह रावत	एमटीएस - ऑफिस अटेंडेंट
सुश्री ममता	एमटीएस - सफाई कर्मचारी

लेखा और स्थापना विभाग	
श्री शुब्रेंदु सिंह	प्रशासनिक अधिकारी
श्री बीजेंद्र	अनुभाग अधिकारी
श्री यशवंत सिंह चौहान	वरिष्ठ सहायक
श्री सूरज शर्मा	वरिष्ठ सहायक
सुश्री अंजू पराशर	सहायक
श्री संतोष पाल	सहायक
श्री शिवानी टंडन	सहायक
श्री मनीषा बिष्ट	कनिष्ठ सहायक
श्री यश कुमार	कनिष्ठ सहायक
श्री सचिन अग्रवाल	कनिष्ठ सहायक
श्री धर्मेंद्र सिंह	एमटीएस - ऑफिस अटेंडेंट

पुस्तकालय	
श्री एस एन त्रिपाठी	अर्ध-पेशेवर सहायक
श्री अमित गुलाटी	पुस्तकालय सहायक
सुश्री कविता	पुस्तकालय सहायक
सुश्री बीना देवी	पुस्तकालय सहायक
श्री बृजेश पाल	पुस्तकालय सहायक
श्री अनीश साहनी	पुस्तकालय सहायक
सुश्री दीपिका	पुस्तकालय सहायक

प्रद्योगिकी विभाग	
श्री अमित कुमार शर्मा	सिस्टम एवं नेटवर्क प्रशासक
सुश्री रीतिका सिंह	एमटीएस- कंप्यूटर अटेंडंट

प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क:
श्री राम करण मीना (डीलिंग असिस्टेंट)
rameena08@gmail.com

प्रोसपेक्टस कमेटी
2024—2025

संकाय

डॉ. अनिमेष मोहपात्रा (संयोजक)

डॉ. विनीता चतुर्वेदी

डॉ. ज्योत्सना पाठक

डॉ. नेहा जिंगाला

डॉ. रश्मि रावत

डॉ. पूनम रानी

विद्यार्थी टीम

इफ़राह आसिम

सुमित

यशिता

फोटोग्राफ गैलरी डी.सी.ए.सी.
2023-24

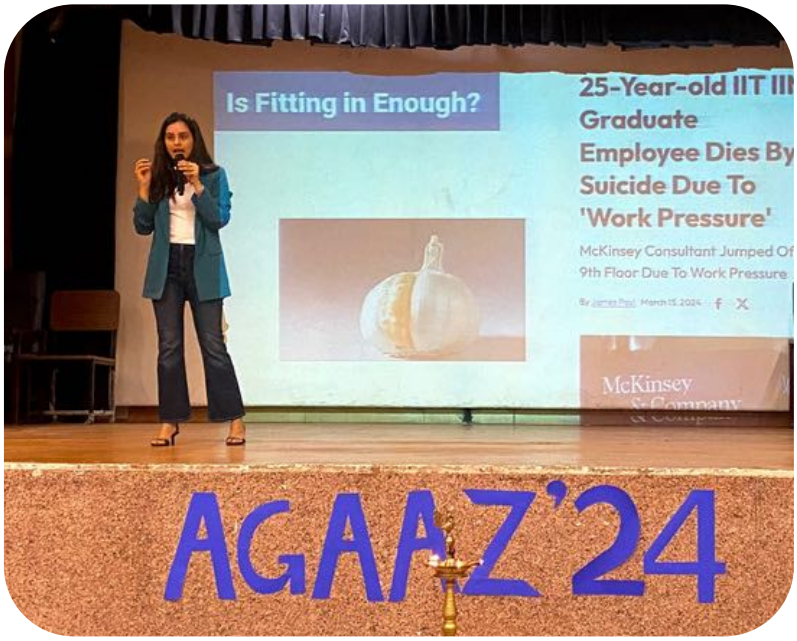
Is Fitting in Enough?
25-Year-old IIT
Graduate
Employee Dies By
Suicide Due To
'Work Pressure'
McKinsey Consultant Jumped Of
9th Floor Due To Work Pressure
McKinsey
AGAAZ'24

Hon'ble Prime Minister
Shri Narendra Modi
Valedictory Ceremony of Centenary Celebrations
Chief Guest

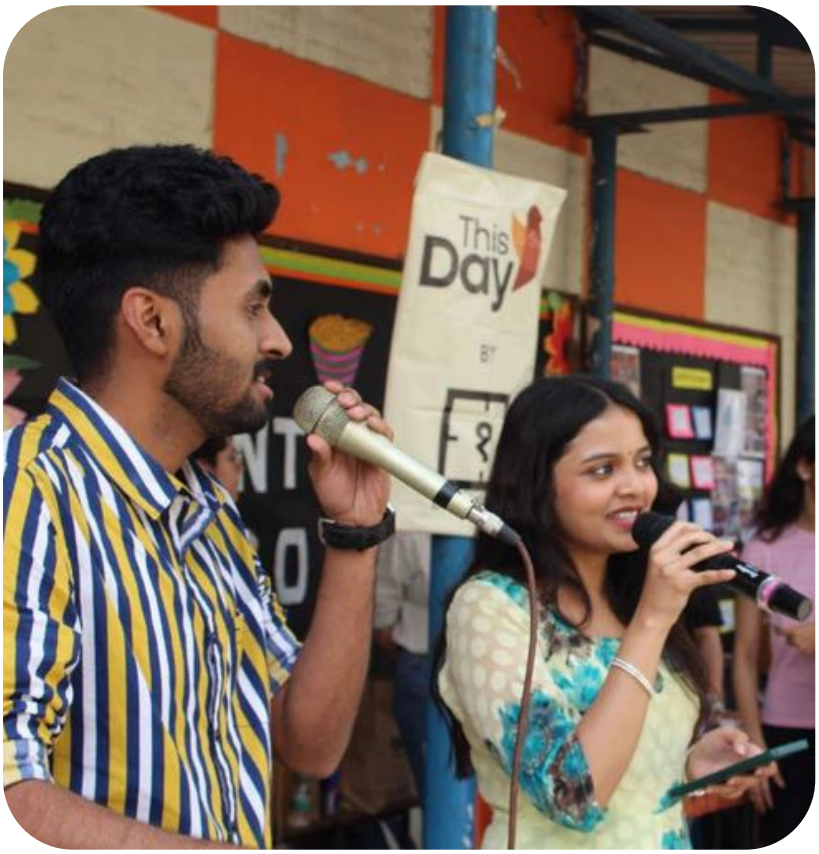
This Day

E-SUMMIT'24

LIBRARY
पुस्तकालय
GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
Delhi College of Arts & Commerce ,Block E, Netaji Nagar, New Delhi, Delhi 110023, India
Lat 28.577461°
Long 77.183848°
27/02/24 01:15 PM GMT +05:30
Google

NYC

NUKKAD

DELHI COLLEGE OF ARTS & COMMERCE

Address: Netaji Nagar, New Delhi - 110023

Phone : 011-24109821 / Fax : 011-26882923

E-mail : principaldcac@gmail.com

Web Address : http://dcac.du.ac.in